लेखाशास्त्र

अध्याय-2: साझेदारी लेखांकन - आधारभूत अवधारणाएँ

SHIVOM CLASSES 8696608541

साझेदारी

सामान्य बोलचाल की भाषा मे विशिष्ट गुणों वाले व्यक्तियों के सामूहिक संगठन को साझेदारी कहते है। व्यवसायिक संगठन के इस प्रारूप मे दो अथवा दो से अधिक व्यक्ति मिलकर व्यवसाय करते हैं। वे अपनी योग्यतानुसार व्यवसाय का प्रबंध व संचालन करते है तथा पूँजी की व्यवस्था करते है। इस प्रकार अलग-अलग गुणों वाले व्यक्ति जैसे कुछ धनी व्यक्ति, कुछ प्रबंध कला मे निपुण होते है, कुछ अधिक व्यवहार कुशल होते है, कुछ अन्य कलाओं मे दक्ष होते है- अपनी-अपनी विशेषताओं के अनुसार साझेदारी संगठन का निर्माण करते है।

साझेदारी के प्रकार

साझेदारी के प्रकार इस तरह है-

1. **सामान्य साझेदारी-** जिन फर्मों का नियमन तथा नियंत्रण भारतीय साझेदारी अधिनियम,1932 के द्वारा किया जाता है उन्हें सामान्य या साधारण साझेदारी कहते है। सामान्य साझेदारी सर्वाधिक प्रचलित है। इसमे साझेदारी का दायित्व असीमित होता है तथा सभी साझेदार को फर्म के प्रबंध मे भाग लेने का एक समान अधिकार होता है।
2. **ऐच्छिक साझेदारी-** भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 की धारा 7 के मुताबिक, ऐच्छिक साझेदारी वह साझेदारी होती है, जो कि अनिश्चित काल के लिये तथा किसी व्यवसाय को चलाने लिये स्थापित की जाती है। सभी साझेदारों की सहमति से, इसे कभी भी समाप्त किया जा सकता है। किसी एक साझेदार द्वारा नोटिस दिये जाने पर भी, ऐच्छिक साझेदारी भंग हो सकती है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. **विशिष्ट साझेदारी-** भारतीय साझेदारी अधिनियम की धार 8 के मुताबिक जब किसी विशिष्ट व्यवसाय अथवा विशेष कार्य के लिए साझेदारी का निर्माण किया जाता है, तो उसे विशिष्ट साझेदारी कहा जाता है। ऐसी साझेदारी तब तक रहती है जब तक कि पूर्व-निश्चित कार्य अथवा उद्देश्य पूरा नही हो जाता। इस प्रकार की साझेदारी किसी निश्चित व्यवसाय के लिए प्रारंभ की जाती है एवं उस उद्देश्य के पूरे हो जाने पर साझेदारी भी स्वतः ही समाप्त हो जाती है।
4. **सीमित साझेदारी-** जिस साझेदारी संस्था मे कुल साझेदारों का उत्तरदायित्व उनके द्वारा दी गई पूंजी की सीमा तक सीमित होता है, तो उसको "सीमित साझेदारी" कहते है।
5. **निश्चित समय के लिए साझेदारी-** निश्चित कालीन साझेदारी वह साझेदारी है, जिसका निर्माण कुछ निश्चित समय या अवधि के लिए किया जाता है और वह अवधि या समय खत्म होने जाने पर साझेदारी का स्वतः ही अंत हो जाता है।
6. **अनिश्चितकालीन साझेदारी-** ऐसी साझेदारी जिसमे समझौते मे अवधि या समय के संबंध कोई प्रतिबंध नही होता, तथा न ही उसका निर्माण किसी कार्य या उद्देश्य विशेष के लिए होता है, उसे अनिश्चितकालीन साझेदारी कहते है। ऐसी परिस्थिति मे साझेदारी का समापन सिर्फ विधान के अंतर्गत किया जा सकता है। (जैसे किसी आकस्मिक घटना के घटने पर उदाहरणर्थ, किसी साझेदार की मृत्यु, आदि।) अन्यथा वह निरंतर चलती रहती है।
7. **वैध साझेदारी-** वह साझेदारी जो भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 के अनुसार अपना व्यवसाय चलते है, वह वैध साझेदारी होती है। कुछ मामलों मे कंपनी अधिनियम, 1956 तथा अन्य संबंधित अधिनियमं के प्रावधानों का पालन करना भी जरूरी है। यद्यपि साझेदारी का पंजीकरण करना अनिवार्य नही है लेकिन फिर भी इसका संचालन कानूनी तौर पर हीना जरूरी है।
8. **अवैध साझेदारी-** जो साझेदारी संबन्धित अधिनियमों के प्रावधानों के मुताबिक स्थापित नही कि गई हो और संचालित की जा रही हो, वह अवैध साझेदारी है।

अवैध साझेदारी इन परिस्थितियों भी होगी-

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- जब इसकी संख्या 2 से कम या बैंकिग व्यवसाय मे 10 से अधिक या सामान्य व्यवसाय मे 20 से अधिक साझेदार हो।
- इसका कारोबार सार्वजनिक नीति के मुताबिक नही हो।
- इसका कोई साझेदार शत्रु देश का हो।
- जिसकी स्थापना का उद्देश्य गैर-कानूनी व्यवसाय चलाना हो।

साझेदारी की विशेषताएं या लक्षण

1. **दो या दो से अधिक व्यक्तियों का होना-** साझेदारी व्यवसाय के लिए कम से कम दो व्यक्तियों का होना आवश्यक है। ये व्यक्ति अनुबन्ध करने योग्य हो। भारत मे वैधानिक रूप से सामान्य व्यवसाय मे साझेदारी मे अधिक से अधिक 20 व्यक्ति एवं बैकिंग व्यवसाय मे 10 व्यक्ति साझेदार हो सकते है।
2. **व्यवसाय के लाभ को आपस मे बांटना-** साझेदारी का उद्देश्य व्यवसाय से केवल लाभ कमाना ही नही, वरन् उसे आपस मे बांटना भी होना चाहिये, क्योंकि साझेदारी लाभ के ही अधिकारी नही, वरन् सम्भावित हानि के लिए भी उत्तरदायी होते है।
3. **साझेदारों के मध्य वैध अनुबन्ध होना-** अधिनियमानुसार साझेदारी का सम्बन्ध अनुबन्ध द्वारा उत्पन्न होता है, स्थिति द्वारा नही, अतः यह नितांत आवश्यक है कि साझेदारों के बीच एक अनुबन्ध हो। चूंकि सम्मिलित हिन्दू परिवार के सदस्यों का सम्बन्ध अनुबन्ध द्वारा उत्पन्न नही होता, अतः कानून की दृष्टि मे वे साझेदार नही माने जाते तथा उनका व्यवसाय भी साझेदारी का व्यवसाय नही कहलाता है। यह अनुबंध लिखित हो सकता है अथवा मौखिक।
4. **असीमित दायित्व-** साझेदारी की एक विशेषता यह भी है कि साझेदारों का दायित्व असीमित होता है। फर्म के ऋणों के भुगतान के लिए साझेदार व्यक्ति रूप से उत्तरदायी होता है। अर्थात् हानि की स्थिति मे फर्म के ऋणदाता अपना धन साझेदारों की व्यक्तिगत सम्पत्ति से वसूल कर सकते है।
5. **परम सद् विश्वास का होना-** साझेदारी के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि साझेदारों मे आपसी सद् विश्वास सुदृढ़ हो। साझेदारी तो विश्ववास पर ही आधारित है। जिस दिन भी

SHIVOM CLASSES 8696085541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

आपस मे मतभेद हो जाता है, साझेदारी ज्यादा चल नही पाती और अन्त मे उसका समापन हो जाता है।

6. **हितों का हस्तांतरण-** कोई भी साझेदार अपने हित को, अन्य साझेदारों की सहमति के बिना हस्तांतरित नही कर सकता है। लेकिन साझेदार फर्म से अवकाश ग्रहण कर सकता है।
7. **वैध व्यापार का होना-** साझेदारी के लिए यह नितांत आवश्यक है कि, कुछ न कुछ व्यवसाय या कारोबार हो, . व्यवसाय वैध हो।" यदि या दो से अधिक व्यक्ति परस्पर कोई ठहराव करते है, किन्तु उनके ठहराव का उद्देश्य किसी व्यवसाय को चलाना नही है तो ऐसे ठहराव को साझेदारी नही कह सकते।
8. **पूँजी का विनियोग आवश्यक नही-** साझेदार बनाने के लिए आवश्यक नही है कि वह पूँजी भी लगाये। बिना पूँजी लगाये भी कोई व्यक्ति फर्म मे, आपसी समझौता से, साझेदार बन सकता है। यही भी आवश्यक नही है कि सभी सभी साझेदार बराबर ह-बराबर पूँजी लगायें।
9. **अस्तित्व-** फर्म का साझेदारों का फर्म से कोई अलग अस्तित्व होता है। फलस्वरूप साझेदारी पर किसी साझेदार के दिवालिया होने, मृत्यु होने या अवकाश ग्रहण करने आदि बातों का प्रभाव पड़ता है।

साझेदारी विलेख

साझेदारी का अस्तित्व साझेदारों के बीच समझौते के परिणामस्वरूप आता है। यह समझौता लिखित या मौखिक हो सकता है। यद्यपि साझेदारी अधिनियम के अनुसार समझौता निश्चित रूप से लिखित होना अपेक्षित नहीं होता। तथापि जब भी यह लिखित में हो; जिस अभिलेख में साझेदारों के बीच समझौते के विवरण समाहित हों तो, ऐसे अभिलेख को साझेदारी विलेख कहते हैं। सामान्य तौर पर, साझेदारों के बीच संबंधों को प्रभावित करने वाले सभी पहलुओं की सूचना समाहित होती है; जिसमें व्यवसाय के उद्देश्य, प्रत्येक साझेदार द्वारा पूँजी निवेश की मात्रा, साझेदारों द्वारा लाभों एवं हानियों की भागीदारी का अनुपात तथा पूँजी पर ब्याज तथा ऋणों पर ब्याज आदि की साझेदारों की हकदारी की बातें सम्मिलित होती हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

साझेदारी विलेख की शर्तों को सभी साझेदारों की सहमति से बदला जा सकता है। विलेख को स्टांप अधिनियम (स्टैंप एक्ट) के प्रावधान के अनुसार उचित प्रकार से प्रारूपित एवं तैयार किया जाना चाहिए और अधिमानतः रजिस्ट्रार के साथ पंजीकृत कराया जाना चाहिए।

साझेदारी विलेख की विषय-वस्तु

साझेदारी विलेख में सामान्यतः निम्नलिखित विवरण होते हैं:

- फर्म का नाम एवं पता तथा उसका मुख्य व्यवसाय;
- सभी साझेदारों के नाम व पते;
- प्रत्येक साझेदार द्वारा लगाई गई पूँजी की राशि;
- फर्म की लेखांकन अवधि;
- साझेदारी प्रारंभ करने की तिथि;
- बैंक खातों का संचालन करने के बारे में नियम;
- लाभ एवं हानि के विभाजन का अनुपात;
- पूँजी, ऋणों एवं आहरणों आदि पर ब्याज की दर;
- अंकेक्षक की नियुक्ति का तरीका, यदि कोई हो;
- वेतन, कमीशन आदि, यदि किसी साझेदार को देय हो;
- प्रत्येक साझेदार के अधिकार, कर्त्तव्य तथा उत्तरदायित्व;
- एक या अधिक साझेदारों के दिवालिएपन के कारण पैदा होने वाली हानि का निष्पादन;
- फर्म के विघटन पर खातों का निपटारा;
- साझेदारों के बीच होने वाले आपसी विवादों का निपटान;
- एक साझेदार का प्रवेश, सेवानिवृत्ति तथा मृत्यु की स्थिति में अनुपालित किए जाने वाले नियम; तथा
- व्यवसाय संचालन से संबंधित कोई भी अन्य मसला।सामान्यतः, एक साझेदारी विलेख के अंतर्गत वे सभी मसले समाहित होते हैं जो साझेदारों के बीच संबंधों को प्रभावित करते हैं। हालाँकि यदि कुछ विशिष्ट मुद्दों पर विलेख में अभिव्यक्ति नहीं हुई है तो ऐसी स्थिति में भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 के प्रावधान लागू होंगे।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लेखांकन हेतु अनुकूल प्रावधान

साझेदारी खातों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण प्रावधान निम्नवत हैं:

(अ) लाभ व हानि विभाजन अनुपात – यदि समझौता विलेख लाभ विभाजन अनुपात पर अस्पष्ट या मौन है तब फर्म के लाभ व हानि को सभी साझेदारों द्वारा बराबर विभाजित किया जाता है, चाहे फर्म में उनके द्वारा लगाई गई पूँजी की भागीदारी कुछ भी हो।

(ब) पूँजी पर ब्याज – फर्म में लगाई गई पूँजी राशि पर कोई भी साझेदार ब्याज पाने के लिए, वस्तुतः अधिकृत नहीं है।

(स) आहरण पर ब्याज – यदि विलेख में इस बारे में कोई उल्लेख नहीं है तो साझेदारों द्वारा निकाली गई (आहरित) राशि पर कोई ब्याज नहीं लिया जाएगा।

(द) प्रवृद्ध राशि पर ब्याज – यदि कोई साझेदार फर्म के व्यवसाय के उद्देश्य हेतु प्रवृद्ध राशि लगाता है तो वह इस राशि पर ब्याज पाने के लिए अधिकृत होगा जो उसे 6% प्रतिवर्ष की दर से देय होगी।

(य) फर्म के कार्यों हेतु पारिश्रमिक – कोई भी साझेदार फर्म के व्यवसाय चलाने के लिए किसी प्रकार का वेतन या पारिश्रमिक पाने का तब तक हकदार नहीं है जब तक कि इस बारे में साझेदारी विलेख में कोई प्रावधान न दिया गया हो।

उपरोक्त प्रावधानों के अलावा, भारतीय साझेदारी अधिनियम यह स्पष्टीकृत करता है कि साझेदारों के बीच समझौते में यह विषय महत्त्व रखते हैं।

(अ) यदि एक साझेदार फर्म के किसी लेन-देन से अपने लिए कोई लाभ प्राप्त करता है या फर्म से संबंधित परिसंपत्ति व्यवसाय इस्तेमाल करता है या उसके लिए फर्म का नाम इस्तेमाल करता है तो वह फर्म के लिए किसी भी लाभ या भुगतान के लिए उत्तरदायी होगा।

(ब) यदि एक साझेदार फर्म के व्यवसाय के समान ही किसी व्यवसाय को चलाता है या वह फर्म से प्रतियोगिता करता है तो वह फर्म के लिए उत्तरदायी होगा व अपने व्यवसाय से प्राप्त लाभों को फर्म के लिए देय होगा।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

साझेदारी के गुण अथवा लाभ अथवा महत्व

1. **स्थापना मे सरलता-** दो या दो से अधिक व्यक्ति मिलकर सार्थ की सरलता से स्थापाना कर सकते है। साझेदारी मात्र आपसी संविदा (संलेख) द्वारा सार्थ का स्थापना कर सकते है। साझेदारी फर्म के पंजीय की अनिवार्यता न होने के कारण किसी भी प्रकार की वैधानिगक आवश्यकता की पूर्ति करने की आवश्यकता नही होती।
2. **विभिन्न प्रकार की क्षमताओं का संगम-** साझेदारी का एक गुण यह है की साझेदारी के व्यापार मे विभिन्न प्रकार की क्षमता वाले जैसे- धीनी, चतुर, प्रबंध कुशल, अनुभवी आदि है।
3. **साझेदारी की संख्या मे सरलता से घटा-बढ़ी-** वैधानिक कठिनाईयाँ न होने के कारण साझेदारों की संख्या आवश्यकतानुसार घटायी-बढ़ायी जा सकती है और इस प्रकार की घटा-बड़ी का कार्य-संचालन पर कोई प्रभाव नही पड़ता।
4. **प्रत्येक कार्य पर पर्याप्त विचार-विमर्श होना-** साझेदारी फर्म मे प्रत्येक कार्य एक-दूसरे की राय से खूब सोच-समझकर किया जाता है। इससे किसी मामले की तह तक पहुंचकर अचित-अनुचित का भली प्रकार निश्चित हो जाता है और बाद मे गलती होने की आशंका नही रहती।
5. **अधिक लोच-** साझेदारी मे आवश्यकतानुसार, कोई भी परिवर्तन बहुत आसानी से किया जा सकता है। आवश्यकतानुसार इसके आकार को घटया या बढ़ाया जा सकता है।
6. **कार्य-कुशलता को प्रोत्साहन-** एकाकी व्यापार की तरह, साझेदारी मे भी कार्य तथा परिणाम या लाभ मे सीधा सम्बन्ध होने के कारण साझेदारों को कुशलता से काम करने व परिश्रम करने का प्रोत्साहन मिलता है। अधिक परिश्रम वे इसलिए भी करते है क्योंकि वे जानते हैं कि यदि वे परिश्रम न करेंगे तो हानि होगी और उस हानि को उन्हें ही वहन करना पड़ेगा।
7. **असीमित दायित्व-** साझेदारी मे समस्त साझेदार सम्पूर्ण लाभ के अधिकारी और हानि के भाजक होते है। साझेदारी का दायित्व असीमित होता है अतः सभी साझेदार केवल लाभ के

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लिए प्रयत्नशील होते है, जिससे कि हानि की सम्भावना ही न रहे। अन्यथा हानि की स्थिति मे फर्म की सम्पत्ति के बाद उसकी पूर्ति साझेदारों की व्यक्तिगत सम्पत्ति से करनी होगी।

8. **अधिक पंजी की उपलब्धता-** एकाकी व्यापार की तुलना मे साझेदारी स्वरूप के अन्तर्गत पूंजी को अधिक मात्रा मे एकत्र किया जा सकता है, क्योंकि यहाँ एक नही वरन् अनेक साझेदार अपने वित्तीय साधनों का सामंजस्य करते है।
9. **जोखिम का बाँटवारा-** साझेदारी व्यवसाय अधिक जोखिमपूर्ण व्यवसायों के लिए उपयुक्त माना जाता है, क्योंकि इसमे जोखिम का वहन किसी एक नही करना पड़ता है। जोखिम का बँटवारा सभी साझेदारों के मध्य होने के कारण इसका भार एकाकी व्यावसाय की तुलना मे कम उठाना पड़ता है।

साझेदारी के दोष या हानियाँ

1. **असीमित दायित्व-** साझेदारी संगठन का यह प्रमुख दोष है कि एकाकी व्यापार की तरह इसके साझेदारों या दायित्व भी असीमित होता है। इसके परिणामस्वरूप, साझेदारों की व्यक्तिगत सम्पत्ति का प्रयोग फर्म के भुगतान के लिये किया जा सकता है। इस दायित्व का भय साझेदारों को सदैव बना रहता है और उनके साहस की मात्रा को कम करता है।
2. **दैनिक कार्यों मे देरी-** फर्म को अपने दैनिक कार्यों मे धीरे-धीरे बढ़ना पड़ता है, क्योंकि कार्य के प्रति सब साझेदारों की सहमति लेनी पड़ती है। कभी-कभी तो लाभ के मौके भी हाथ से निकल जाते है।
3. **मतभेदों की अधिक संभावना-** जब साझेदारों की संख्या अधिक होती है तो प्रबंध मे कठिनाई पड़ने लगती है और बहुधा आसप मे मतभेद हो जाया करता है जो आगे चलकर संस्था के अन्त का कारण बन जाता है।
4. **अस्तित्व का अनिश्चित होना-** साझेदारी का अस्तित्व बड़ा अनिश्चित होता है। किसी साझेदार की मृत्यु, दिवालिया या पागल होने से फर्म टूट जाती है। अस्तित्व के अनिश्चित होने से इसके व्यवसाय मे उतनी स्थितरता नही होती, जितनी कि एक कम्पनी के व्यापार मे।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

5. **सीमित पूँजी-** इसमे कई साझेदार मिल कर पूँजी लगाते है फिर भी कुल पूँजी की मात्रा सीमित ही होती है। कम्पनी की अपेक्षाकृत, फर्म को उपलब्ध पूँजी बहुत कम होती है। जैसे-जैसे, फर्म का आकार बढ़ता जाता है उसके वित्तीय साधन अपेक्षाकृत कम होते जाते है।
6. **बड़े व्यवसाय के लिए अनुपयुक्त-** यह संगठन बड़े आकार वाले व्यवसाय के लिए अनुपयुक्त होते है। इसी दोष के कारण, कम्पनी अत्यधिक प्रचलित संगठन का स्वरूप है जो कि किसी बड़े आकार वाले व्यवसाय के सफल संचालन के लिये समर्थ एवं सक्षम है।
7. **प्रबंध सम्बंधी दोष-** व्यवहार मे साझेदारों मे प्रबंध सम्बंधी अनेक कठिनाइयाँ आती है। प्रायः वे एकमत नही होते, इससे निर्णय लेने मे देरी व कठिनाई होती है। कुछ साझेदार प्रबंधन मे सक्रिय रूप से भाग लेते है जबकि अन्य साझेदार उतने सक्रिय नही रह पाते। उस स्थिति मे, आपसी मतभेद भी उत्पन्न होता रहता है। इस कारण प्रबन्धन मे सब के हितों का सामंजस्य, प्रायः नही हो पाता है।
8. **गोपनीयता मे सन्देह-** फर्म के लेखो का अंकेक्षण व प्रकाशन आवश्यक नही होता। साथ ही इसका पंजीयन भी आवश्यक नही होता। फर्म की समस्त बातें केवल साझेदारों तक ही सीमित होती है। इस प्रकार निर्मित गोपनीयता से तृतीय पक्षों को फर्म की क्षमता और ख्याति पर सन्देह होने लगता है, जिसके फलस्वरूप फर्म की साख क्षमता कम हो जाती है। कभी-कभी गोपनीयता से साझेदारों मे आपस मे ही भ्रम उत्पन्न हो जाता है जिससे कटुता और अविश्वास उत्पन्न होते है।

पंजीकरण साझेदारी संगठन

साझेदारी अधिनियम में सरकार द्वारा नियुक्त फर्मों के रजिस्ट्रार के साथ साझेदारी के पंजीकरण का प्रावधान है। [अधिनियम पंजीकृत होने के लिए साझेदारी के लिए अनिवार्य नहीं करता है, और न ही पंजीकरण न करने पर कोई जुर्माना लगाता है। लेकिन अधिनियम एक अपंजीकृत फर्म के भागीदारों पर कुछ अक्षमताएं लागू करता है ताकि पंजीकरण को बहुत वांछनीय बनाया जा सके।]

यह दावा करता है कि अनरजिस्टर्ड फर्म तीसरे पक्ष के खिलाफ अपने दावों को लागू करने में असमर्थ होगी यदि सूट 100 रुपये से अधिक है। अनरजिस्टर्ड फर्म का कोई भी पार्टनर साझेदारी विलेख के

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तहत अपने अधिकार को लागू करने के लिए मुकदमा दायर नहीं कर सकता। हालांकि तीसरे पक्ष फर्म और भागीदारों के खिलाफ मुकदमा दायर कर सकते हैं।

इसके अलावा किसी फर्म का पंजीकरण न होना निम्नलिखित को प्रभावित नहीं करता है:

- फर्म के विघटन के लिए या उसके हिस्से में और विघटित फर्म में उसके हिस्से के लिए मुकदमा करने के लिए एक साथी का अधिकार।
- एक दिवालिया साथी की संपत्ति का एहसास करने के लिए एक आधिकारिक असाइनमेंट की शक्ति।
- किसी फर्म या उसके सदस्यों के अधिकार जिनका भारत में कोई व्यवसाय नहीं है।
- सूट 100 रुपये से अधिक नहीं है।

(ar) एक अनुबंध के तहत अन्यथा उत्पन्न होने वाले सूट; उदाहरण के लिए, फर्म के ट्रेडमार्क के उल्लंघन के लिए एक तीसरे पक्ष के खिलाफ एक सूट।

1. **भागीदारी अधिनियम के तहत पंजीकरण:**

   एक साझेदारी फर्म को किसी भी समय पंजीकरण फॉर्म के साथ पंजीकृत किया जा सकता है, जिसमें रु .3 शुल्क के साथ फार्म के रजिस्ट्रार के पास निम्नलिखित प्रश्न होते हैं:

   - फर्म का नाम।
   - इसके व्यवसाय का प्रमुख स्थान।
   - अन्य स्थानों के नाम जहाँ फर्म व्यवसाय कर रही है।
   - वह तिथि जिस पर प्रत्येक भागीदार फर्म में शामिल हुआ।
   - सभी भागीदारों के नाम और पूर्ण पते।
   - फर्म की अवधि।

   उपरोक्त विवरणों में परिवर्तन उचित समय के भीतर फर्मों के रजिस्ट्रार को सूचित किया जाना चाहिए। फर्म का रजिस्ट्रार उसके द्वारा रखे गए रजिस्टर में विवरण दर्ज करेगा। पंजीयक द्वारा रजिस्टर में की गई प्रविष्टियों को निर्णायक माना जाता है।

2. **कर उद्देश्यों के लिए पंजीकरण:**

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

एक अन्य प्रकार का पंजीकरण, जो वांछनीय भी है लेकिन अनिवार्य नहीं है, आयकर उद्देश्यों के लिए है। यदि कोई फर्म आयकर अधिनियम के तहत पंजीकृत है, तो फर्म के मुनाफे को भागीदारों के बीच विभाजित किया जाता है और व्यक्तिगत रूप से भागीदारों की आय पर कर लगाया जाता है। लेकिन अगर फर्म आयकर अधिनियम के तहत पंजीकृत नहीं है, तो उसकी पूरी आय पर कर लगाया जाता है।

साझेदारी और सह-स्वामित्व के बीच अंतर

क्रमांक संख्या	साझेदारी	सह-स्वामित्व
1.	एक साझेदार अन्य साझेदारों की सहमति के बिना एक विकल्प साझेदार के रूप में किसी तीसरे पक्ष को अपना हित हस्तांतरित करने का हकदार नहीं है।	एक सह-मालिक अन्य सह-मालिकों की सहमति के बिना किसी तीसरे व्यक्ति को अपना हित हस्तांतरित कर सकता है।
2.	साझेदार एक-दूसरे के एजेंट होते हैं।	सह-स्वामित्व में कोई पारस्परिक एजेंसी नहीं होती है।
3.	भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 की धारा 221 के अनुसार, एक एजेंट होने के नाते एक साझेदार को साझेदारी संपत्ति पर ग्रहणाधिकार (लिएन) का अधिकार है।	सह-स्वामित्व में ऐसा कोई अधिकार नहीं है। एक सह-स्वामी केवल विभाजन का हकदार हो सकता है, और ऐसी संपत्ति की बिक्री के लिए, उसे अन्य सह-मालिकों की सहमति की आवश्यकता होती है।
4.	जब कोई साझेदार धोखाधड़ी के कारण किसी नुकसान का कारण बनता है, तो उसे फर्म की क्षतिपूर्ति करने की आवश्यकता होती है।	सह-स्वामित्व में धोखाधड़ी के कारण हुए नुकसान के लिए किसी को भी उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

साझेदारी खातों के विशिष्ट पहलू

साझेदारी फर्म के लिए लेखांकन निष्पादन ठीक उसी प्रकार से होता है जिस प्रकार से एकल स्वामित्व के व्यवसाय वाली फर्मों का होता है। केवल निम्नलिखित पहलू अपवाद स्वरूप है।

- साझेदार के पूँजी खाते का अनुरक्षण;
- साझेदारों के बीच लाभ एवं हानि का वितरण;
- पिछले लाभों के गलत विनियोग के लिए समायोजन;
- साझेदारी फर्म का पुनर्गठन; तथा
- साझेदारी फर्म का विघटन।

ऊपर बताए गए प्रथम तीन पहलुओं को अध्याय के आगामी अनुभागों में शामिल किया गया है तथा शेष पहलुओं को पुस्तक के अनुवर्ती अध्यायों मे सम्मिलित किया गया है।

साझेदारों के पूँजी खातों का अनुरक्षण

साझेदारों तथा फर्म से संबंधित सभी लेन-देन को उनके पूँजी खातों के माध्यम से खातों मे अभिलेखित किया जाता है। इसके अंतर्गत पूँजी के रूप में लगाई गई धनराशि, पूँजी की निकासी, लाभ का भाग, पूँजी पर ब्याज, आहरण पर ब्याज, साझेदार का वेतन तथा साझेदार का कमीशन आदि शामिल होता है।

यहाँ पर दो विधियाँ हैं जिनमें साझेदारों के पूँजी खातों को अनुरक्षित किया जा सकता है। ये हैः (i) स्थिर पूँजी विधि, तथा (ii) अस्थिर पूँजी विधि है। इन दोनों के बीच यह अंतर निहित है कि क्या साझेदार के पूँजी खाते में प्रत्यक्ष रूप से पूँजी की निकासी अतिरिक्त/आहरण के रूप में लेखाबद्ध की गई हैं अथवा नहीं।

(अ) स्थिर पूँजी विधि – स्थिर पूँजी विधि के अंतर्गत साझेदारों की पूँजी तब तक स्थिर रहती है जब तक कि साझेदारों के समझौते के अनुसार अतिरिक्त पूँजी को सन्निविष्ट न किया जाए अथवा पूँजी के एक भाग की निकासी न की जाए। सभी प्रकार के लेन-देन; जैसे कि लाभ की भागीदारी, पूँजी पर ब्याज, आहरण आदि एक अलग खाते में आलेखित किए जाते हैं, जिसे साझेदार का चालू खाता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

कहते हैं। साझेदारों के पूँजी खाते एक जमा शेष प्रदर्शित करते हैं जो कि साल-दर-साल तक ठीक वैसे ही शेष रह सकते हैं जब तक कि उनमें इस अवधि के दौरान अतिरिक्त पूँजी का सन्निवेश या आहरण न किया जाए। जबकि दूसरी ओर चालू खाता नाम शेष या जमा शेष प्रकट कर सकता है। चालू खाते के तुलनपत्र नाम शेष को परिसंपत्ति की तरफ और जमा शेष यदि है तो उसको देनदारियों की ओर प्रदर्शित किया जाता है।

स्थिर पूँजी विधि के अंतर्गत पूँजी खाता एवं चालू खाता निम्नवत प्रदर्शित किया जाता है:

साझेदार का पूँजी खाता

नाम — जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)
	बैंक (पूँजी का स्थायी आहरण)		xxx		प्रारंभिक शेष (प्रारंभिक शेष)		xxx
	जमा शेष (अंतिम शेष)		xxx		बैंक (नवीन पूँजी सन्निविष्ट)		xxx
			xxx				xxx

साझेदारों का चालू खाता

	(हानि का भाग) अंतिम शेष (अंतिम शेष जमा के मामले में)		xxx		लाभ व हानि विनियोजन (लाभ का भाग) अंतिम शेष (अंतिम शेष जमा के मामलें में)		xxx
			xxx				xxx
			xxx				xxx

(ब) अस्थिर पूँजी विधि – अस्थिर पूँजी विधि के अंतर्गत केवल एक खाता अर्थात पूँजी खाता ही प्रत्येक साझेदार के लिए तैयार किया जाता है। इसमे सभी समायोजन होते हैं जैसे कि लाभ एवं हानि का भाग, पूँजी पर ब्याज, साझेदार का वेतन या कमीशन आदि सभी साझेदार के पूँजीखाते में सीधे अभिलेखित किए जाते हैं जिसके कारण पूँजी खाते का शेष समय-समय पर अस्थिर (घट-बढ़) होता रहता है। यही कारण है कि इस विधि को (घट-बढ़) अस्थिर पूँजी विधि कहा जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

किसी भी निर्देश के अभाव में पूँजी खाते को इस विधि के द्वारा तैयार किया जाना चाहिए। इस पूँजी खाते को (घट-बढ़) अस्थिर पूँजी के अंतर्गत तैयार करने हेतु निम्न प्रारूप प्रस्तुत है:

साझेदारों का पूँजी खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)
	शेष आ/ला (यदि अंतिम शेष नाम पक्ष में है)		xxx		शेष आ/ला (यदि प्रारंभिक शेष जमा पक्ष के हैं)		xxx
	आहरण		xxx		बैंक (पूँजी सन्निविष्ट नई)		xxx
	आहरण पर ब्याज		xxx		वेतन		xxx
	लाभ–हानि विनियोजन (हानि का भाग)		xxx		पूँजी पर ब्याज		xxx
	अंतिम शेष आ/ले (यदि अंतिम शेष जमा पक्ष में है)		xxx		लाभ–हानि विनियोजन (लाभ का भाग)		
					शेष आ/ले (यदि अंतिम शेष नाम पक्ष में है)		xxx
			xxx				xxx

साझेदारों के बीच लाभ का विभाजन

फर्म के सभी साझेदारों में लाभ हानि का विभाजन एक सहमति के अनुपात में किया जाता है। यदि साझेदारी विलेख इस संबंध में मौन है तब फर्म के लाभ एवं हानि को सभी साझेदारों द्वारा समान रूप से वहन किया जाता है।

आप जानते हैं कि एकल स्वामित्व की स्थिति में कुल लाभ या हानि, जैसा कि लाभ व हानि खाते द्वारा अभी निश्चित किया है, सीधे स्वामी के पूँजी खाते में स्थानांतरित किया जाता है। हालाँकि यदि यह साझेदारी का मामला है तब कुछ खास समायोजनों जैसे कि आहरण पर ब्याज, पूँजी पर ब्याज, वेतन व साझेदारार का कमीशन आदि को समायोजित करने की आवश्यकता होती है। इस उद्देश्य के लिए रिवाज के अनुसार यह आवश्यक है कि फर्म के लिए एक लाभ व हानि विनियोग खाता तैयार किया जाए जो कि निश्चित करे कि साझेदारों के बीच लाभ सहभाजन अनुपात में लाभ एवं हानि वितरण की अंतिम राशियाँ दर्शायी गई हैं।

लाभ एवं हानि विनियोग खाता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लाभ एवं हानि विनियोग खाता सिर्फ़ फर्म के लाभ व हानि खाते का विस्तार मात्र है। यह प्रकट करता है कि साझेदारों के बीच लाभ को कैसे विनियोजित या विभाजित किया जाता है। सभी समायोजन जैसे कि साझेदारों के वेतन, साझेदार के कमीशन, पूँजी पर ब्याज, आहरण पर ब्याज आदि विषयों को इस खाते के माध्यम से कैसे करना है। यह इस खाते के लाभ व हानि के शेष को दर्ज करके प्रारंभ किया जाता है। लाभ व हानि विनियोग खाते की तैयारी के लिए रोज़नामचा प्रविष्टियाँ तथा विभिन्न समायोजनों को करने के बारे में नीचे दिया गया है:

रोज़नामचा प्रविष्टियाँ

1. लाभ एवं हानि खाते के शेष को लाभ एवं हानि विनियोग खाते में हस्तांतरण के लिए

(क) यदि लाभ एवं हानि खाता एक जमा शेष (कुल लाभ) दर्शाता है

लाभ एवं हानि खाता नाम

लाभ एवं हानि विनियोग खाते से

(ख) यदि लाभ एवं हानि खाता एक नाम शेष (निवल हानि) दर्शाता है

लाभ एवं हानि विनियोग खाता नाम

लाभ एवं हानि खाते से

2. पूँजी पर ब्याज के लिए

(क) पूँजी से पूँजी खाते पर ब्याज की जमा के लिए

पूँजी खाता पर ब्याज नाम

साझेदार के पूँजी/चालू खाते से (व्यक्तिगत)

(ख) पूँजी पर ब्याज खाते से लाभ एवं हानि विनियोग खाते में हस्तांतरण के लिए

लाभ एवं हानि विनियोग खाता नाम

पूँजी पर ब्याज खाते से

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. आहरणों पर ब्याज

(क) आहरण पर ब्याज का साझेदार के पूँजी खाते पर प्रभार के लिए

साझेदार का पूँजी/चालू खाता नाम

आहरण पर ब्याज खाते से

(ख) आहरण पर ब्याज का लाभ एवं हानि खाते में हस्तांतरण हेतु

आहरण के ब्याज

आहरण पर ब्याज खाते से नाम

लाभ एवं हानि विनियोग खाते से

4. साझेदार का वेतन

(क) साझेदार का वेतन साझेदार के पूँजी खाते में जमा करने हेतुः

साझेदार का वेतन खाता नाम

साझेदार का पूँजी/चालू खाते से

(ख) साझेदार का वेतन लाभ एवं हानि विनियोग खाते में हस्तांतरण हेतुः

लाभ एवं हानि विनियोग खाता नाम

साझेदार का वेतन खाते से

5. साझेदार का कमीशन

(क) साझेदार के कमीशन को साझेदार के पूँजी खाते में जमा करने हेतुः

साझेदार का कमीशन खाता नाम

साझेदार के पूँजी/चालू खाते से (व्यक्तिगत)

(ख) साझेदार को भुगतान किया गया कमीशन लाभ एवं हानि विनियोग खाते में ले जाने परः

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लाभ एवं हानि विनियोग खाता नाम

साझेदार के कमीशन खाते से

6. विनियोजन के बाद लाभ या हानि की भागीदारी

(क) यदि लाभ है:

लाभ एवं हानि विनियोग खाता नाम

साझेदार के पूँजी/चालू खाते से (व्यक्तिगत)

(ख) यदि हानि है:

साझेदारों का पूँजी खाता नाम

लाभ एवं हानि विनियोग खाता

टिप्पणी- यदि किसी वर्ष फर्म की हानि होती है तो साझेदारों को पूँजी ब्याज, वेतन आदि नहीं दिया जाएगा।

SHIVOM CLASSES 8696608541

लाभ एवं हानि विनियोग खाता

नाम *जमा*

विवरण	*राशि (रु.)*	*विवरण*	*राशि (रु.)*
लाभ एवं हानि (यदि हानि है)	xxx	लाभ एवं हानि (यदि लाभ है)	xxx
पूँजी पर ब्याज	xxx	आहरणों पर ब्याज	xxx
साझेदार का वेतन	xxx		xxx
साझेदार का कमीशन	xxx		
साझेदार के ऋण पर ब्याज	xxx		
साझेदार की पूँजी (लाभ का वितरण)	xxx		
	xxx		**xxx**

उदाहरण

समीर तथा यासमीन क्रमशः 15,00,000 रु. तथा 10,00,000 रु. पूँजी लगाकर साझेदार बने हैं। वे लाभों को 3:2 के अनुपात में बाँटने को सहमत हैं। आप यह दर्शाएँ कि इन दोनों साझेदारों के

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

पूँजी खातों में लेन-देन कैसे अभिलेखित होगें, यदि मामले (1) में स्थिर पूँजी है, तथा मामले (2) में अस्थिर (घट-बढ़) पूँजी है। खाता पुस्तकें, प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को बंद होती है।

विवरण	*समीर (रु.)*	*यासमीन (रु.)*
01 जुलाई, 2014 में विनियोजित पूँजी समावेश	3,00,000	2,00,000
पूँजी पर ब्याज	5%	5%
आहरण (2014–15 में)	30,000	20,000
आहरण पर ब्याज	1,800	1,200
वेतन	20,000	
कमीशन	10,000	7,000
वर्ष 2014–15 में हानि का भाग	60,000	40,000

हल

स्थिर पूँजी विधि

साझेदारों के पूँजी खाते

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*समीर राशि (रु.)*	*यासमीन राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*समीर राशि (रु.)*	*यासमीन राशि (रु.)*
	शेष आ/ले		18,00,000	12,00,000		शेष आ/ला		15,00,000	10,00,000
						(अतिरिक्त पूँजी)		3,00,000	2,00,000
			18,00,000	**12,00,000**				**18,00,000**	**12,00,000**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

साझेदारों के चालू खाते

नाम जमा

तिथि	विवरण	ब.पृ सं.	समीर राशि (रु.)	यासमीन राशि (रु.)	तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	समीर राशि (रु.)	यासमीन राशि (रु.)
	आहरण		30,000	20,000		पूँजी पर ब्याज		82,500	55,000
	आहरण पर ब्याज		1,800	1,200		साझेदार का वेतन		20,000	7,000
	लाभ एवं हानि		60,000	40,000		कमीशन		10,000	
	शेष आ/ले		20,700	800					
			1,12,500	**62,000**				**1,12,500**	**62,000**

कार्यकारी टिप्पणी:

पूँजी पर ब्याज का परिकलन :

			रु.	रु.
समीर	1 वर्ष के लिए 15,00,000 रु. पर 5%	$= 5 \times \frac{15,00,000}{100}$	=	75,000
	6 माह के लिए 3,00,000 रु. पर 5%	$= 5 \times \frac{3,00,000}{100} \times \frac{6}{12}$	=	7,500
				82,500
यासमीन	1 वर्ष के लिए 10,000 रु. पर 5%	$= 5 \times \frac{10,000}{100}$	=	50,000
	6 माह के लिए 2,00,000 रु. पर 5%	$= 5 \times \frac{2,00,000}{100} \times \frac{6}{12}$	=	5,000
				55,0000

अस्थिर पूँजी विधि

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

साझेदारों का पूँजी खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	समीर राशि (रु.)	यासमीन राशि (रु.)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	समीर राशि (रु.)	यासमीन राशि (रु.)
	आहरण		30,000	20,000		शेष आ/ला		15,00,000	10,00,000
	आहरण पर ब्याज		1,800	1,200		बैंक		3,00,000	2,00,000
	लाभ एवं हानि		60,000	40,000		पूँजी पर ब्याज		82,500	55,000
	शेष आ/ले		18,20,700	12,00,800		वेतन		20,000	7,000
						कमीशन		10,000	
			19,12,500	**12,62,000**				**19,12,500**	**12,62,000**

उदाहरण

येदु, मधु और विधु साझेदार है और 2:2:1 के अनुपात में लाभ व हानि की भागीदारी के लिए सहमत है। अप्रैल 01, 2019 को उनकी स्थिर पूँजी इस प्रकार हैः येदु 5,00,000 रु., मधु 4,00,000 रु. और विधु 3,50,000 रु.। साझेदारी संलेख के अनुसार येदु को प्रतिमाह 2,000 रु. का वेतन देय है; विधु को 18,000 रु. का कमीशन देय है। इसके अतिरिक्त साझेदारों को 5% पूंजी पर ब्याज मिलना भी देय है। मार्च 31, 2020 को यदि फर्म को 75,000 रु. की हानि होती है तो एसी दशा में लाभ एवं हानि विनियोग खाता तैयार करें।

हल

येंदु, मधु और विधु की पुस्तकें
लाभ व हानि विनियोग खाता

ववरण	राशि (रु.)	विवरण		राशि (रु.)
लाभ एवं हानि (शुद्ध हानि)	75,000	साझेदारों का चालू खाता (हानि का वितरण)		
		येदु- 30,000		
		मधु- 30,000		
		विधु- 15,000		75,000
	75,000			**75,000**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उदाहरण

अभिताभ एवं बाबुल 3 : 2 के अनुपात में लाभ की भागीदारी करते हुए क्रमशः 50,000 रु. तथा 30,000 रु. लगाकर एक फर्म के साझेदार हैं। पूँजी पर 6% वार्षिक ब्याज दर पर सहमति है। बाबुल को प्रतिवर्ष 2,500 रु. का वेतन लेने की अनुमति है। वर्ष 2019-20 वर्ष का लाभ, बाबुल के वेतन प्रभारित करने तथा पूँजी पर ब्याज के परिकलन के पश्चात राशि 11,750 रु. है।

वर्ष के अंत में 31 मार्च, 2020 को लाभ का विभाजन दर्शाते हुए साझेदारों के पूँजी खाते तैयार करें।

हल

लाभ एवं हानि विनियोग खाता

विवरण	*राशि (रु.)*	*विवरण*	*राशि (रु.)*
बाबुल का वेतन	2,500	लाभ व हानि (निवल लाभ बाबुल के वेतन से पूर्व)	15,000
पूँजी पर ब्याज :			
अमिताभ	3,000		
बाबुल	1,800		
साझेदारों के पूँजी खातों में हस्तांतरित लाभ:			
अमिताभ 4,170			
बाबुल 2,780	6,950		
	14,250		**14,250**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अमिताभ का पूँजी खाता

नाम — जमा

तिथि	विवरण	रो.ब. सं.	राशि (रु.)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)
2020 31 मार्च	शेष आ/ले		57,170	2019 01 अप्रैल 31 मार्च 31 मार्च	शेष आ/ला पूँजी पर ब्याज लाभ एवं हानि विनियोजन (लाभ का भाग)		50,000 3,000 4,170
			57,170				**57,170**

बाबुल का पूँजी खाता

नाम — जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)
2016 31 मार्च	शेष आ/ले		37,080	2019 01 अप्रैल 2016 31 मार्च 31 मार्च	आ/ला शेष वेतन पूँजी पर ब्याज लाभ एवं हानि विनियोजन (लाभ का भाग)		30,000 2,500 1,800 2,780
			37,080				**37,080**

SHIVOM CLASSES 8696608541

पूँजी पर ब्याज का परिकलन

वास्तव में, पूँजी पर ब्याज प्रभारित करने के लिए कोई भी साझेदार अधिकृत नहीं है; जब तक कि यह सभी साझेदारों द्वारा विलेख में जान-बूझकर (स्पष्टतः) सहमति प्राप्त न हो। साझेदारों को सहमत दर पर ब्याज देय होता है जिसमें उस अवधि का उल्लेख रहे, जब पूँजी उस वित्त वर्ष के दौरान व्यवसाय में विनियोजित रही हो। सामान्यतः पूँजी पर ब्याज दो परिस्थितियों मेंं प्रदान किया जाता है (i) जब साझेदारों द्वारा असमान राशि की पूँजी की भागीदारी की जाए, लेकिन लाभ की भागीदारी समान हो, और (ii) पूँजी की भागीदारी समान हो परंतु लाभ की भागीदारी असमान हो।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

पूँजी पर ब्याज का परिकलन और लेखांकन अवधि के दौरान केवल पूँजी की निकासी (आहरण) या सन्निवेश पर किया जाता है। उदाहरण के लिए, मोहिनी, रोशनी और नवीन एक साझेदारी में क्रमशः

3,00,000 रु., 2,00,000 रु. और 1,00,000 रु. के साथ व्यवसाय प्रारंभ करते हैं। उन्होंने लाभ एवं हानि पर बराबर भागीदारी का निर्णय लिया और इस बात पर भी सहमत हुए कि पूँजी पर 10% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज देय होगा। 10% की दर से यह ब्याज मोहिनी के लिए 30,000 रु., (3,00,000 रु. पर 10% की दर से) रोशिनी के लिए 20,000 रु. (20,000 रु. पर 10% की दर से) तथा नवीन के लिए 10,000 रु. (1,00,000 रु. पर 10% की दर से) का योग तैयार हुआ।

एक अन्य प्रकरण मंसूर व रेशमा का लीजिए, जो एक कार्य में साझेदार हैं तथा उनके पूँजी खातों में 01 अप्रैल, 2015 को क्रमशः 2,00,000 रु. तथा एक 3,00,000 रु. शेष दर्शाया गया है। मंसूर 01 अगस्त, 2015 को 1,00,000 रु. की अतिरिक्त पूँजी लगाता है और रेशमा 01 अक्तूबर, 2015 को 1,50,000 रु. अतिरिक्त लगाती है, पूँजी पर 6% वार्षिक की दर से ब्याज अनुमत है। इसे निम्नानुसार किया जाएगा।

$$\text{मंसूर के लिए } \left(2{,}00{,}000\,\text{रु.} \times \frac{6}{100}\right) + \left(1{,}00{,}000\,\text{रु.} \times \frac{6}{100} \times \frac{8}{12}\right)$$

$$= 12{,}000\,\text{रु.} + 4{,}000\,\text{रु.} = 16{,}000\,\text{रु.}$$

$$\text{रेशमा के लिए } \left(1{,}50{,}000\,\text{रु.} \times \frac{6}{100}\right) + \left(1{,}50{,}000\,\text{रु.} \times \frac{6}{100} \times \frac{6}{12}\right)$$

$$= 9{,}000\,\text{रु.} + 4{,}500\,\text{रु.} = 13{,}500\,\text{रु.}$$

जब दोनों ही वित्त वर्ष के दौरान पूँजी व अतिरिक्त का आहरण करते हैं तो पूँजी पर ब्याज दर का परिकलन निम्नानुसार होता है:

(i) साझेदारों के पूँजी खाते के प्रारंभिक शेष पर, पूरे वर्ष के लिए ब्याज का परिकलन

(ii) यदि वित्त वर्ष के दौरान किसी साझेदार द्वारा अतिरिक्त पूँजी लगाई जाती है तो अतिरिक्त पूँजी पर ब्याज का परिकलन लाई गई तिथि से वर्ष के अंतिम दिन तक होती है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(iii) पूँजी आहरण की दशा में पूँजी पर ब्याज की गणना इस प्रकार होगी:

वर्ष के प्रारम्भ से प्रारंभिक पूँजी पर निकाली गई पूँजी की तिथि तक सर्वप्रथम ज्ञात की जाएगी; इसके पश्चात् कम हुई पूँजी पर शेष अवधि के लिए ज्ञात होगी। वैकल्पिक रूप से इसे संबंधित अवधि के लिए रह गई निवेशित पूँजी पर भी ज्ञात किया जा सकता है।

उदाहरण

सलोनी और सृष्टि एक फर्म में साझेदार है। उनका पूँजी खाता 01 अप्रैल 2015 को क्रमशः

2,00,000 रु. तथा 3,00,000 रु. शेष दर्शाता है। 01 जुलाई, 2015 को सलोनी ने 50,000 रु. अतिरिक्त पूँजी और सृष्टि ने 60,000 रु. अतिरिक्त पूँजी लगाई । अपने निजी उपयोग हेतु सलोनी ने, 01 अक्तूबर, 2015 को 30,000 रु. तथा सृष्टि ने 01 जनवरी, 2016 को, 15,000 रु. का आहरण किया। 8% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुमत था। वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान दोनों साझेदारों की पूँजी पर ब्याज देय का परिकलन कीजिए।

हल

पूँजी पर ब्याज का परिकलन दर्शाता लेखा विवरण —

सलोनी के लिए

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2,00,000 रू. पर 3 माह का ब्याज $= \frac{Rs.3,00,000 \times 8 \times 3}{100 \times 12}$ =6,000 रु.

जोड़ा : 2,50,000 रू. पर 3 माह का ब्याज $= \frac{Rs.2,50,000 \times 8 \times 3}{100 \times 12}$ =5,000 रु.

जोड़ा : 2,20,000 रू. पर 6 माह का ब्याज $= \frac{Rs.2,20,000 \times 6 \times 8}{100 \times 12}$ =8,800 रु.

सृष्टि के लिए

3,00,000 रू. पर 3 माह का ब्याज $= \frac{Rs.3,00,000 \times 8 \times 3}{100 \times 12}$ =6,000 रु.

जोड़ा : 3,60,000 रू. पर 6 माह का ब्याज $= \frac{Rs.3,60,000 \times 8 \times 6}{100 \times 12}$ =14,400 रु

जोड़ा : 2,20,000 रू. पर 3 माह का ब्याज $= \frac{Rs.3,45,000 \times 8 \times 3}{100 \times 12}$ =300 रु.

कभी-कभी साझेदारों की प्रारंभिक पूँजी नहीं दी गई होती है। ऐसी स्थिति में पूँजी पर ब्याज की गणना से पूर्व साझेदारों की अंतिम पूँजी पर अतिरिक्त पूँजी, आहरित पूँजी आहरणों, लाभ व हानि में भाग, यदि साझेदारों के पूँजी खातों में दर्शाया गया है, संबंधित समायोजनों की सहायता से प्रारंभिक पूँजी की गणना की जाती है।

उदाहरण

जोश एवं क्रिश साझेदार हैं और लाभ एवं हानि के लिए 3 :1 अनुपात पर सहमत हैं। वित्त वर्ष 2015-16 के अंत में उनकी पूँजी 1,50,000 रु. तथा 75,000 रु. थी। वर्ष 2015-2016 के दौरान आहरण जोश के नाम 20,000 रु. तथा क्रिश के नाम आहरण 5,000 रु. था। जिसे उनके पूँजी खाते में नाम पक्ष में डाला गया है। ब्याज प्रभारित करने से पहले उनका लाभ 16,000 रु. था। क्रिश 01 अक्तूबर, 2015 को 16,000 रु. अतिरिक्त पूँजी फर्म में लाया जिसे लाभ सहभाजन अनुपात में डाला गया। पूँजी पर 12% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज गणना करें।

हल

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रारंभ में पूँजी का परिकलन दर्शाता लेखा-विवरण

विवरण	*जोश का खाता (रु.)*	*क्रिश का खाता (रु.)*
वर्ष के अंत में पूँजी	1,50,000	75,000
जोड़ा: वर्ष के दौरान आहरण	20,000	5,000
	1,70,000	**80,000**
घटाया : लाभ का हिस्सा	12,000	(4,000)
	1,58,000	**76,000**
घटाया : अतिरिक्त पूँजी	–	(16,000)
	1,58,000	**60,000**

पूँजी पर ब्याज होगा, जोश के लिए 18,960 रु. (1,58,000 रु. का 12%) और क्रिश के लिए 960 रु. निम्न परिकलन के अनुसार

$$\left(60{,}000 \text{ रु.} \times \frac{12}{100}\right) + \left(16{,}000 \text{ रु.} \times \frac{12}{100} \times \frac{6}{12}\right) = 7{,}200 \text{ रु.} + 960 \text{ रु.}$$

$$= 8{,}160 \text{ रु.}$$

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 103 - 114)

लघु उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 साझेदारी विलेख क्या है? परिभाषा दीजिये।

उत्तर – साझेदारी विलेख (Partnership Deed): साझेदारी का अस्तित्व साझेदारों के बीच समझौते के परिणामस्वरूप आता है।यह समझौता लिखित या मौखिक कैसा भी हो सकता है ।तथापि इसका लिखित में होना उचित होता है।अतः जिस अभिलेख में साझेदारों के बीच समझौते के विवरण समाहित होते हैं, ऐसे अभिलेख को साझेदारी विलेख कहते हैं।सामान्य तौर पर, इसमें साझेदारों के बीच सम्बन्धों को प्रभावित करने वाले सभी पहलुओं की सूचना समाहित होती है ।इसमें व्यवसाय के उद्देश्य, प्रत्येक साझेदार द्वारा पूँजी निवेश की मात्रा, साझेदारों द्वारा लाभों एवं हानियों की भागीदारी का अनुपात तथा पूँजी पर ब्याज तथा ऋणों पर ब्याज आदि की साझेदारों की हकदारी की बातें सम्मिलित होती हैं।

प्रश्न 2 एक साझेदारी समझौता लिखित में क्यों होना चाहिए?

उत्तर – साझेदारी समझौता लिखित में इसलिए होना चाहिए कि सभी पक्षों को साझेदारी की शर्तें स्पष्ट रहें तथा. किसी भी विवाद से बचा जा सके।लिखित समझौता होने पर भविष्य में कोई विवाद होने पर उसे निपटाने में भी सुविधा रहती है।

प्रश्न 3 उन मदों की सूची बनाएँ जो कि एक साझेदार के पूँजी खाते में नाम या जमा में डाली जाती हैं:

(i) जब पूँजी स्थिर हो।

(ii) जब पूँजी अस्थिर हो।

उत्तर:

(i) जब पूँजी स्थिर हो-पूँजी स्थिर होने पर एक साझेदार के पूँजी खाते में नाम पक्ष में निम्न मदें डाली जाती हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(a) Part of Capital Withdraw

(b) Closing Balance of Capital

जमा पक्ष में निम्न मदें डाली जाती हैं:

(a) Opening Balance of Capital

(b) Additional capital introduced during an accounting year.

(ii) जब पूँजी अस्थिर हो: पूँजी अस्थिर होने पर एक साझेदार के पूँजी खाते में नाम पक्ष में निम्न मदें डाली जाती हैं।

(a) Drawings

(b) Interest on Drawings

(c) Share of Loss

(d) Capital Withdrawn

(e) Closing Balance of Capital

पूँजी अस्थिर होने पर साझेदार के पूँजी खाते में जमा पक्ष में निम्न मदें डाली जाती हैं।

(a) Opening Balance of Capital

(b) Additional Capital introduced

(c) Salaries to Partner

(d) Interest on Capital

(e) Commission and Bonus to Partner

(f) Any other remuneration to Partner

(g) Share of Profit.

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 4 लाभ व हानि समायोजन खाता क्यों तैयार किया जाता है? वर्णन करें।

उत्तर – लाभ व हानि समायोजन खाता (Profit and Loss Adjustment A/c): यदि अन्तिम लेखा खाते तैयार किए जा चुके हैं और इसके बाद कोई त्रुटि ध्यान में आती है जैसे कि पूँजी पर ब्याज, आहरणों पर ब्याज, साझेदारों का वेतन, कमीशन इत्यादि से सम्बन्धित हैं तो आवश्यक समायोजनों को साझेदार के पूँजी खातों में लाभ एवं हानि समायोजन खाते के माध्यम से किया जा सकता है जो कि इस त्रुटि का संशोधन है। अतः इस प्रकार की त्रुटियों के संशोधन हेतु लाभ व हानि समायोजन खाता तैयार किया जाता है।

प्रश्न 5 कोई दो परिस्थितियाँ बताएँ जिनमें साझेदारों की स्थिर पूँजी परिवर्तित हो सकती है।

उत्तर – निम्न दो परिस्थितियों में साझेदारों की स्थिर पूँजी परिवर्तित हो सकती है।

- यदि वर्ष के दौरान साझेदार द्वारा अतिरिक्त पूँजी लायी जाये।
- यदि वर्ष के दौरान साझेदार द्वारा अपनी पूँजी का कोई भाग स्थायी रूप से निकाल लिया जाये।

प्रश्न 6 प्रत्येक तिमाही के पहले दिन यदि एक स्थिर राशि का आहरण होता है, जिसके लिए आहरणों पर ब्याज के परिकलन हेतु क्या अवधि मानी जायेगी?

उत्तर – यदि प्रत्येक तिमाही के पहले दिन एक स्थिर राशि का आहरण होता है तो आहरणों पर ब्याज के परिकलन हेतु 772 माह की अवधि मानी जायेगी।

प्रश्न 7 साझेदारी विलेख में स्पष्ट न होने की स्थिति में, निम्नलिखित से सम्बन्धित नियमों की व्याख्या करें:

1. लाभ या हानि विभाजन

2. साझेदारों की पूँजी पर ब्याज

3. साझेदारों के आहरणों पर ब्याज

4. साझेदारों के ऋणों पर ब्याज

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

5. एक साझेदार का वेतन।

उत्तर – साझेदारी विलेख में स्पष्ट न होने की स्थिति में:

- लाभ या हानि विभाजन सभी साझेदारों में बराबर-बराबर किया जायेगा।
- साझेदारों की पूँजी पर कोई ब्याज नहीं दिया जायेगा।
- साझेदारों के आहरणों पर कोई ब्याज नहीं लिया जायेगा।
- साझेदारों के ऋणों पर 6% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज दिया जायेगा।
- किसी साझेदार को कोई वेतन नहीं दिया जायेगा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 साझेदारी क्या है? इसकी प्रमुख विशिष्टताओं की व्याख्या करें।

उत्तर – साझेदारी (Partnership): जब दो या दो से अधिक व्यक्ति एक व्यवसाय स्थापित करने और उसके लाभों एवं हानियों की भागीदारी के लिए सहमत होते हैं तो वे साझेदारी या भागीदारी में माने जाते हैं।भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 के अनुभाग 4 के अनुसार, "साझेदारी उन व्यक्तियों के बीच एक सम्बन्ध है जो एक ऐसे व्यवसाय के लाभ को बाँटने के लिए सहमत हैं जिसका संचालन उन सबके द्वारा या उनमें से किसी एक के द्वारा किया जाता है।"

जब एक व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति के साथ व्यक्तिगत रूप से साझेदारी में सम्मिलित होता है तो उसे 'साझेदार' कहते हैं और एक साथ मिलकर 'फर्म' कहलाते हैं।जिस नाम के अन्तर्गत व्यवसाय संचालित होता है उसे 'फर्म का नाम' कहते हैं।एक साझेदारी फर्म में साझेदारों द्वारा इसे संस्थापित करने के अलावा अन्य कोई सत्ता नहीं होती है।

प्रमुख विशिष्टताएँ: साझेदारी की अनिवार्य एवं महत्त्वपूर्ण विशिष्टताएँ निम्न प्रकार हैं।

(1) दो या दो से अधिक व्यक्ति: साझेदारी के गठन में एक समान लक्ष्य के साथ कम से कम दो व्यक्ति अवश्य होते हैं।दूसरे शब्दों में एक फर्म के गठन में कम से कम दो साझेदार हो सकते हैं।हालांकि यहाँ पर एक फर्म का गठन करने के लिए व्यक्तियों की. अधिकतम संख्या की एक सीमा है।भारतीय साझेदारी अधिनियम में साझेदारों की अधिकतम संख्या का कहीं उल्लेख नहीं

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

किया गया है।परन्तु कम्पनी (विविध) नियम 2014 के नियम 10 के अन्तर्गत यह संख्या 50 तक सीमित कर दी गई है।

(2) साझेदारों के मध्य अनुबंध या समझौता साझेदारी दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच अनुबन्ध या समझौते का ही परिणाम होती है जो व्यवसाय चलाते व लाभ-हानि बाँटते हैं।अतः व्यवसाय चलाने तथा आपसी सम्बन्धों के लिए समझौता (अनुबन्ध) साझेदारों के बीच एक आधार होता है।यह आवश्यक नहीं है कि साझेदारों के बीच समझौता लिखित रूप में हो।एक मौखिक समझौता भी वैध है लेकिन किसी भी विवाद से बचने के लिए, यह प्राथमिकता दी जाती है कि साझेदार एक लिखित समझौता करें।

(3) व्यवसाय का होना समझौता किसी व्यवसाय को चलाने के लिए किया जाना चाहिए।किसी परिसम्पत्ति मात्र के सह-स्वामित्व से स्वतः साझेदारी का गठन नहीं हो जाता है।जैसे यदि A एवं B संयुक्त रूप से एक भू-भाग खरीदते हैं तो वे उस परिसम्पत्ति के संयुक्त रूप से प्लाट्ट के मालिक हैं, साझेदार नहीं।लेकिन यदि वे यह कार्य लाभ कमाने के लिए करते हैं और लाभ के लिए जमीन को खरीदते व बेचते हैं तो वे साझेदार कहलाएँगे।

(4) पारस्परिक अभिकरण (एजेंसी) साझेदारी का व्यवसाय सभी साझेदारों द्वारा या फिर उनमें से किसी एक द्वारा चलाया जा सकता है।इस कथन के दो अर्थ हैं-पहला, व्यवसाय चलाने के लिए प्रत्येक साझेदार अधिकृत है।दूसरे, सभी साझेदारों के बीच आपस में एक पारस्परिक एजेंसी का सम्बन्ध विद्यमान है।

प्रत्येक साझेदार व्यवसाय चलाने के लिए प्रमुख होने के साथ - साथ दूसरे साझेदारों के लिए एक अभिकर्ता भी है।वह अपने काम के द्वारा दूसरों को फर्म के व्यवसाय के हित में आबद्ध कर सकता है तथा दूसरों के कामों से उनके साथ सम्बद्ध हो सकता है।अतः साझेदारी हेतु पारस्परिक अभिकरण का सम्बन्ध अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है।

(5) लाभ का विभाजन: साझेदारी या भागीदारी का एक अन्य महत्त्वपूर्ण तत्त्व यह है कि साझेदारों के बीच समझौता निश्चित रूप से व्यवसाय के लाभों एवं हानियों को बाँटने के लिए होना चाहिए।साझेदारी अधिनियम के अन्तर्गत परिभाषा में साझेदारी को उन लोगों के बीच सम्बन्ध के रूप में बताया गया है जो व्यवसाय के लाभों को बाँटने के लिए सहमत होते हैं, जिसमें हानि भी

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नकारात्मक लाभ के रूप में लागू होती है।अतः लाभों की भागीदारी के साथसाथ हानियों की भागीदारी भी महत्त्वपूर्ण है।धर्मार्थ कार्यकलापों के लिए किये गये किसी प्रकार के समझौते को साझेदारी नहीं कहा जाएगा।

(6) साझेदारी के उत्तरदायित्व प्रत्येक साझेदार संयुक्त रूप से दूसरे साझेदारों के साथ तथा स्वतंत्र रूप से भी, फर्म के सभी कार्यों के लिए उत्तरदायी होता है।एक साझेदार के एक फर्म के लिए असीमित उत्तरदायित्व होते हैं।अतः फर्म के कामों के लिए एक साझेदार की जिम्मेदारी संयुक्त रूप से सम्बद्ध होती है तथा उसकी परिसम्पत्तियाँ भी फर्म के ऋण चुकाने हेतु आबद्ध होती हैं।

प्रश्न 2 भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 के उन प्रमुख प्रावधानों की व्याख्या करें जो साझेदारी विलेख के अनुपस्थित होने की दशा में लागू होते हैं।

उत्तर – साझेदारों के मध्य साझेदारी विलेख के अभाव में भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 में वर्णित निम्नलिखित प्रावधान लागू होंगे।

- लाभों एवं हानियों का विभाजन साझेदारों में बराबर होगा।
- साझेदारों को पूँजी पर ब्याज देय नहीं होगा।
- साझेदारों से उनके आहरणों पर फर्म द्वारा ब्याज चार्ज नहीं किया जायेगा।
- प्रत्येक साझेदार को फर्म के व्यापार तथा प्रबन्ध में भाग लेने का अधिकार होगा।
- प्रत्येक साझेदार को व्यापार के लेखा अभिलेखों को देखने, जाँचने व उनकी नकल (कॉपी) लेने का अधिकार होगा।
- किसी भी साझेदार को प्रदान की गई सेवाओं के प्रतिफलस्वरूप वेतन, कमीशन अथवा अन्य किसी प्रकार का पारिश्रमिक नहीं दिया जायेगा।
- यदि किसी साझेदार ने अपनी पूँजी के अतिरिक्त कोई ऋण (Loan) दिया है तो ऋण की राशि पर 6% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज देय होगा।
- बिना सभी साझेदारों की सहमति के साझेदारी में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

प्रश्न 3 व्याख्या करें कि एक साझेदारी समझौते का लिखित में होना क्यों उत्तम माना जाता है?

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – साझेदारी, की उत्पत्ति साझेदारों के मध्य हुए परस्पर अनुबन्ध (Agreement) का परिणाम है।अनुबन्ध मौखिक (Oral) अथवा लिखित (Black and White or Written) हो सकता है, परन्तु लिखित अनुबन्ध जिसे साझेदारी संलेख (Partnership Deed) भी कहते हैं, ही व्यावहारिक दृष्टिकोण से अधिक अच्छा माना जाता है।साझेदारी संलेख में निम्नलिखित. प्रमुख बिन्दुओं का उल्लेख करना आवश्यक होता है जिससे साझेदारों के मध्य हुए परस्पर मतभेदों को अविलम्ब दूर किया जा सके

- फर्म का नाम व पता।
- साझेदारों के नाम व पते।
- साझेदारी व्यवसाय की प्रकृति व कार्यक्षेत्र।
- लाभ विभाजन अनुपात।
- साझेदारों की पूँजी।
- पूँजी पर ब्याज के सम्बन्ध में प्रावधान।
- आहरण की राशि।
- आहरण पर ब्याज के सम्बन्ध में प्रावधान।
- फर्म की लेखा पुस्तकें रखने की विधि।
- साझेदारों को देय वेतन, बोनस व कमीशन आदि।
- खातों का अंकेक्षण।
- साझेदारी की अवधि।
- साझेदारों के ऋण व उस पर ब्याज की दर।
- पूँजी खाते रखने की विधि।
- साझेदारों के अधिकार, कर्त्तव्य व दायित्व।
- विवादों के निपटारे की विधि।
- नये साझेदार के प्रवेश पर प्रावधान।
- नये साझेदार के प्रवेश, अवकाश ग्रहण करने, मृत्यु होने व लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन होने पर ख्याति का मूल्यांकन व लेखा।
- किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण करने या मृत्यु पर हिसाब के निपटारे की विधि।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- फर्म के समापन की विधि व परिस्थितियाँ तथा हिसाब के निपटारे की विधि।

साझेदारी समझौते का लिखित में होना इसीलिए उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें प्रायः उक्त सभी जरूरी बातों अथवा शर्तों का उल्लेख होता है।यह साझेदारी फर्म का व्यवसाय बिना किसी विवाद के चलाने में सहायक है।साझेदारों के बीच होने वाले किसी भी विवाद को लिखित समझौता होने पर आसानी से निपटाया जा सकता है।

यदि समझौते को स्टाम्प अधिनियम के प्रावधान के अनुसार उचित प्रकार से प्रारूपित एवं तैयार किया गया हो और अधिमानतः रजिस्ट्रार के पास पंजीकृत कराया गया हो तो यह न्यायालय में प्रमाण स्वरूप प्रस्तुत भी किया जा सकता है।साथ ही लिखित समझौता होने पर इसकी शर्तों को सभी साझेदारों की सहमति से ही बदला जा सकता है।अतः साझेदारों को किसी भी विवाद से बचने के लिए समझौते का लिखित में होना उत्तम माना जाता है।

प्रश्न 4 वर्णन करें कि विभिन्न स्थितियों में किये गये आहरणों पर ब्याज कैसे परिकलित किया जाता है?

अथवा

आहरण किसे कहते हैं? आहरण पर ब्याज की गणना करने की विधियों का वर्णन कीजिये।

उत्तर – आहरण साझेदारों द्वारा फर्म से अपने निजी प्रयोग के लिए निकाली गई नकद राशि या वस्तुएँ आहरण कहलाती हैं।साझेदारी संलेख में उल्लेख होने पर साझेदारों द्वारा किये गये आहरणों पर ब्याज वसूल किया जाता है।आहरण पर ब्याज फर्म की आय होती है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

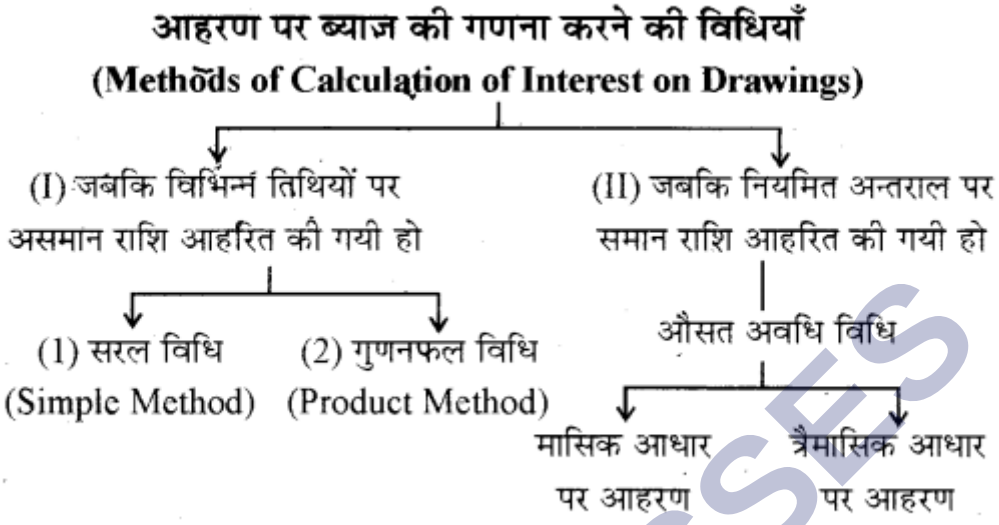

(I) जबकि विभिन्न तिथियों पर असमान राशि आहरित की गयी होइसकी निम्न दो विधियाँ हैं।

(1) सरल विधि: इस विधि में प्रत्येक आहरण की राशि पर दी गयी ब्याज दर से आहरण की तिथि से अन्तिम खाते बनाने की तिथि तक की अवधि का ब्याज निकाला जाता है।

$$\text{ब्याज} = \text{आहरण की राशि} \times \frac{\text{ब्याज की दर}}{100} \times \frac{\text{महीने}}{12} \text{ or } \frac{\text{दिनों की संख्या}}{365}$$

$$\text{Interest} = \text{Amount withdrawn} \times \frac{\text{Rate of Interest}}{100} \times \frac{\text{Months}}{12} \text{ or } \frac{\text{Days}}{365}$$

(2) गुणनफल विधि: इस विधि में निम्नांकित तालिका बनाकर गणना की जाती है।

आहरण की तिथि Date of Drawings	राशि ₹ Amount ₹	अवधि माह/दिनों में (आहरण की तिथि से अन्तिम खाते बनाने की तिथि तक) Period (months/ days) from date of drawing to date of year ending	गुणनफल (राशि × अवधि) Product (Amount × Period)
			Total Product

गणना के चरण:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- अवधि की गणना आहरण की तिथि से खाते बन्द करने की तिथि की अवधि तक की, की जाती है।
- अवधि को सम्बन्धित धनराशि से गुणा करके गुणनफल ज्ञात करते हैं एवं उनका योग लगाते हैं।

$$\text{(iii)} \quad \text{ब्याज} = \frac{\text{गुणनफल का योग} \times \text{ब्याज की दर}}{100 \times 12}$$

(II) जबकि नियमित अन्तराल पर समान राशि आहरित की गयी हो:

ऐसी स्थिति में आहरण पर ब्याज की गणना औसत अवधि विधि के आधार पर की जाती है।

$$\text{आहरण पर ब्याज} = \frac{\text{कुल आहरण} \times \text{ब्याज की दर} \times \text{औसत अवधि}}{100 \times 12}$$

औसत अवधिं की गणना करने के सूत्र-

परिस्थिति	n = वर्ष में महीनों की संख्या	आहरण 12 माह के लिए किये गये हों	आहरण 9 माह के लिए किये गये हों	आहरण 6 माह के लिए किये गये हों
I. मासिक आहरण		(माह)	(माह)	(माह)
(a) प्रत्येक माह के प्रारम्भ में	$\frac{n+1}{2}$	$\frac{12+1}{2}=6.5$	$\frac{9+1}{2}=5$	$\frac{6+1}{2}=3.5$
(b) प्रत्येक माह के अन्त में	$\frac{n-1}{2}$	$\frac{12-1}{2}=5.5$	$\frac{9-1}{2}=4$	$\frac{6-1}{2}=2.5$
(c) प्रत्येक माह के मध्य में	$\frac{n}{2}$	$\frac{12}{2}=6$	$\frac{9}{2}=4.5$	$\frac{6}{2}=3$
II. त्रैमासिक आहरण				
(a) प्रत्येक तिमाही के प्रारम्भ में	$\frac{n+3}{2}$	$\frac{12+3}{2}=7.5$	$\frac{9+3}{2}=6$	$\frac{6+3}{2}=4.5$
(b) प्रत्येक तिमाही के अन्त में	$\frac{n-3}{2}$	$\frac{12-3}{2}=4.5$	$\frac{9-3}{2}=3$	$\frac{6-3}{2}=1.5$
(c) प्रत्येक तिमाही के मध्य में	$\frac{n}{2}$	$\frac{12}{2}=6$	$\frac{9}{2}=4.5$	$\frac{6}{2}=3$
III. जब आहरण की तिथि नहीं दी गयी हो	$\frac{n}{2}$	$\frac{12}{2}=6$	$\frac{9}{2}=4.5$	$\frac{6}{2}=3$

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Note : जब ब्याज की दर के साथ प्रतिवर्ष (p.a.) शब्द न लिखा हो, तो ब्याज की गणना पूरे एक वर्ष के लिए की जायेगी अर्थात् समय तत्त्व (Time factor) को ध्यान में नहीं रखा जायेगा।

प्रश्न 5 आप वर्तमान साझेदार के साथ लाभ विभाजन अनुपात को कैसे बदलेंगे? अपने उत्तर की व्याख्या के लिए कल्पित अंकों को अपनाएँ।

उत्तर – साझेदारों के बीच लाभ विभाजन अनुपात को बदलने पर अनेक समायोजन करने पड़ते हैं।जैसे-ख्याति. संचय, अतिरिक्त लाभ, सम्पत्ति एवं दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन पर लाभ अथवा हानि, पूँजी का समायोजन आदि।प्रायः नये साझेदार के प्रवेश एवं किसी साझेदार की सेवानिवृत्ति अथवा मृत्यु पर लाभ विभाजन अनुपात बदलता है।लेकिन वर्तमान साझेदार भी आपसी सहमति से लाभ विभाजन अनुपात को बदल सकते हैं।

वर्तमान साझेदारों द्वारा लाभ विभाजन अनुपात बदलने पर किसी साझेदार को लाभ होता है तो किसी साझेदार को हानि ।अतः लाभ प्राप्त करने वाला साझेदार त्याग करने वाले साझेदार की क्षतिपूर्ति करता है।इसके लिए निम्न प्रविष्टि की जाती है।

Gaining Partner's Capital A/c	Dr.	
To Sacrificing Partner's Capital A/c		
(Adjustment entry made)		

उदाहरण: रीटा, टीना एवं मीना एक फर्म में 5 : 3 : 2 के अनुपात में लाभ व हानि विभाजन की साझेदार हैं।वे भविष्य में लाभ व हानि बराबर अनुपात में बाँटने का निर्णय लेती हैं।उस दिन फर्म की

संचय एवं भवन के पुनर्मूल्यन पर ₹ 40,000 का लाभ दिखाती हैं।पुस्तकों को प्रभावित किये बिना उनके पूँजी खातों के माध्यम से समायोजन प्रविष्टि दीजिये।

Statement showing net effect of change in Profit sharing Ratio:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Particulars	Reeta ₹	Tina ₹	Meena ₹
Share in General Reserve (5 : 3 : 2)	1,00,000	60,000	40,000
Profit on Revaluation of Building (5 : 3 : 2)	20,000	12,000	8,000
	1,20,000	72,000	48,000
Share of Profit (New 1 : 1 : 1)	80,000	80,000	80,000
Difference (Gain or Loss)	40,000 (Loss)	8,000 (Gain)	32,000 (Gain)

लाभ विभाजन अनुपात बदलने पर यहाँ रीटा को नुकसान तथा टीना एवं मीना को फायदा हो रहा है। अतः टीना एवं मीना मिलकर रीटा की क्षतिपूर्ति करेंगे। इसके लिए निम्न समायोजन प्रविष्टि की जायेगी

Tina's Capital A/c	Dr.	8,000	
Meena's Capital A/c	Dr.	32,000	
To Reeta's Capital A/c			40,000
(Adjustment entry made)			

संख्यात्मक प्रश्न:

स्थिर और अस्थिर पूँजी खाते:

प्रश्न 1 त्रिपाठी एवं चौहान एक फर्म में 3 : 2 के अनुपात में लाभ व हानि विभाजन के साझेदार हैं और उनकी पूँजी 1 अप्रैल, 2015 को क्रमशः ₹ 60,000 एवं ₹ 40,000 है। वर्ष के दौरान वे ₹ 30,000 का लाभ कमाते हैं। साझेदारी विलेख के अनुसार दोनों साझेदार वेतन के रूप में प्रति माह ₹ 1,000 वेतन के अधिकारी हैं तथा पूँजी पर 5% प्र. व. की दर से ब्याज के लिए सहमत हैं। आहरण पर भी 5% प्र. व. ब्याज निश्चित किया गया है। नियमित अवधि का पालन न करते हुए त्रिपाठी ने ₹ 12,000 व चौहान ने ₹ 8,000 आहरित किए हैं। पूँजी स्थिर है इस आधार पर साझेदारों के पूँजी और चालू खाता तैयार करें?

उत्तर – Partners' Capital Accounts:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount Tripathi ₹	Amount Chauhan ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount Tripathi ₹	Amount Chauhan ₹
2016 March 31	To Balance c/d		60,000	40,000	2015 April 1	By Balance b/d		60,000	40,000
			60,000	40,000				60,000	40,000

Partners' Current Accounts:

Dr. Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount Tripathi ₹	Amount Chauhan ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount Tripathi ₹	Amount Chauhan ₹
2016 March 31	To Drawings		12,000	8,000	2016 Mar. 31	By Salaries		12,000	12,000
	To Intt. on Drawings		600	400		By Intt. on Capital		3,000	2,000
	To Balance c/d		3,600	6,400		By Profit & Loss Appro. A/c		1,200	800
			16,200	14,800				16,200	14,800

Profit and Loss Appropriation A/c for the year ending March 31, 2016:

Dr. Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Salaries :			By Profit & Loss A/c (Profit)		30,000
Tripathi (1,000 × 12) ₹	12,000		By Intt. on Drawings :		
Chauhan (1,000 × 12) =	12,000	24,000	Tripathi	600	
To Intt. on Capital :			Chauhan	400	1,000
Tripathi	3,000				
Chauhan	2,000	5,000			
To Profit transferred to Partners' Current A/cs :					
Tripathi	1,200				
Chauhan	800	2,000			
		31,000			31,000

प्रश्न 2 अनुभा एवं काजल एक फर्म में 2 : 1 के अनुपात के लाभ व हानि विभाजन के साझेदार हैं।उनकी पूँजी क्रमश: ₹ 90,000 तथा ₹ 60,000 है।वर्ष के दौरान लाभ ₹ 45,000 है।साझेदारी

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विलेख के अनुसार दोनों साझेदार वेतन के लिए अनुमत हैं जिसमें अनुभा ₹ 700 प्रति माह तथा काजल को ₹ 500 प्राप्त होते हैं। पूँजी पर 5% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुमत है। वर्ष के दौरान आहरण अनुभा ₹ 8,500 तथा काजल ₹ 6,500 थे। आहरणों पर 5% की दर से ब्याज प्रभारित होता है। साझेदारों के पूँजी खाते तैयार करें और मान कर चलें कि पूँजी अस्थिर है।

उत्तर – Partners' Capital Accounts:

Dr. Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount Anubha ₹	Amount Kajal ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount Anubha ₹	Amount Kajal ₹
	To Drawings		8,500	6,500		By Balance b/d		90,000	60,000
	To Interest on Drawings		425	325		By Salaries		8,400	6,000
	To Balance c/d		1,09,875	70,125		By Intt. on Capital		4,500	3,000
						By Profit & Loss Appro. A/c		15,900	9,950
			1,18,800	76,950				1,18,800	76,950

Profit and Loss Appropriation A/c:

Dr. Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Partners' Salaries :			By Profit & Loss A/c (Profit)		45,000
Anubha	8,400		By Intt. on Drawings :		
Kajal	6,000	14,400	Anubha	425	
To Interest on Capital :			Kajal	325	750
Anubha	4,500				
Kajal	3,000	7,500			
To Profit (tranasferred to Partners' Capital A/cs) :					
Anubha	15,900				
Kajal	7,950	23,850			
		45,750			45,750

प्रश्न 3 हर्षद एवं धीमान 1 अप्रैल, 2016 से साझेदार हैं। इनके बीच कोई साझेदारी समझौता हस्ताक्षरित नहीं किया है। दोनों ने क्रमशः ₹ 4,00,000 तथा ₹ 1,00,000 पूँजी के रूप में लगाए हैं। इसके साथ ही हर्षद ने 1 अक्टूबर, 2016 को, ₹ 1,00,000 अग्रिम राशि लगाई है। अस्वस्थ होने के कारण हर्षद 1 अगस्त से 30 सितम्बर, 2016 तक व्यवसाय में भाग नहीं ले सका। वर्ष के अन्त

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

में 31 मार्च, 2017 को फर्म को ₹ 1,80,000 का लाभ प्राप्त हुआ।लेकिन निम्न बातों के लिए हर्षद एवं धीमानं के बीच विवाद पैदा हो गया।

हर्षद का दावा है:

1. उसे अपनी पूँजी एवं दिए गए ऋण पर 10% प्रति वर्ष की दर से ब्याज मिलना चाहिए।

2. लाभ को पूँजी के अनुपात में वितरित किया जाना चाहिए।

धीमान का दावा है:

1. लाभ का वितरण एक समान होना चाहिए

2. हर्षद की अनुपस्थिति में व्यवसाय अकेले चलाने के लिए उस अवधि का पारिश्रमिक ₹ 2,000 प्रतिमाह की दर से मिलना चाहिए।

3. पूँजी एवं ऋण पर 6% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुमत किया जाना चाहिए।

आपसे यह अपेक्षा की जाती है कि हर्षद एवं धीमान के बीच विवाद हल करें।इसके साथ ही लाभ एवं हानि नियोजन खाता तैयार करें।

उत्तर – चूँकि हर्षद एवं धीमान के बीच कोई लिखित समझौता नहीं हुआ है।अतः साझेदारी अधिनियम, 1932 के अनुसार उनके दावों का निपटारा निम्न प्रकार किया जायेगा

निपटारा:

- हर्षद ने अपनी पूँजी एवं दिये गये ऋण पर 10% ब्याज माँगा है।साझेदारी अधिनियम, 1932 के अनुसार लिखित समझौता न होने पर साझेदारों को पूँजी पर कोई ब्याज नहीं दिया जायेगा।साथ ही ऋण पर भी केवल 6% प्रतिवर्ष ब्याज ही अनुमत है।
- लिखित समझौते के अभाव में लाभ को सभी साझेदारों में बराबर-बराबर बाँटा जायेगा।

धीमान का दावानिपटारा:

- धीमान का यह दावा स्वीकरण योग्य है कि लाभ का वितरण एक समान होना चाहिए।
- लिखित समझौते के अभाव में किसी भी साझेदार को कोई पारिश्रमिक देय नहीं होगा।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- लिखित समझौते के अभाव में पूँजी पर कोई ब्याज नहीं दिया जायेगा लेकिन फर्म को दिये गये ऋण पर 6% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज दिया जायेगा।

Profit and Loss Appropriation A/c for the year ending March 31, 2017:

Dr. Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Interest on Harshad's Loan A/c		3,000	By Profit & Loss A/c (Profit)	1,80,000
To Profit transferred to Partners' Capital A/cs :				
Harshad	88,500			
Dhiman	88,500	1,77,000		
		1,80,000		1,80,000

प्रश्न 4 1 अप्रैल, 2015 को आकृति एवं बिन्दु वस्त्र निर्माण के व्यवसाय में साझदारी करती हैं परन्तु कोई भी लिखित समझौता नहीं है।उन्होंने क्रमशः ₹ 5,00,000 तथा ₹ 3,00,000 की पूँजी लगाई और 1 अक्टूबर, 2015 को आकृति ने फर्म में ₹ 20,000 ऋण के रूप में दिए, जिस पर ब्याज के लिए कोई लिखित समझौता नहीं हुआ।31 मार्च, 2016 को वर्ष की समाप्ति पर फर्म का लाभ ₹ 43,000 हुआ।दोनों साझेदार लाभ के बँटवारे के. आधार पर तथा ब्याज के सवाल पर सहमत नहीं हो सके।आप से अपेक्षा की जाती है कि आप दोनों के बीच लाभ के बँटवारे का समाधान, लाभ व हानि नियोजन खाता तैयार करके निकालें, साथ ही उत्तर के लिए उचित तर्क प्रस्तुत करें।

उत्तर – चूँकि आकृति एवं बिन्दु ने कोई लिखित समझौता नहीं किया अतः साझेदारी अधिनियम, 1932 के अनुसार लाभ एवं ब्याज सम्बन्धी सवालों का निपटारा निम्न प्रकार होगा

- पूँजी पर साझेदारों को कोई ब्याज नहीं दिया जायेगा।
- फर्म को दिये गये ऋण पर 6% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुमत होगा।
- साझेदारों में लाभों का बँटवारा बराबर-बराबर होगा।

Profit and Lass Appropriation Alc for the year ending March 31, 2016:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Interest on Aakriti's Loan A/c $\left(20,000 \times \frac{6}{12} \times \frac{6}{100}\right)$		600	By Profit & Loss A/c (Profit)	43,000
To Profit transferred to Partners' Capital A/cs :				
Aakriti	21,200			
Bindu	21,200	42,400		
		43,000		43,000

प्रश्न 5 राखी और शिखा क्रमशः ₹ 2,00,000 तथा ₹ 3,00,000 की पूँजी लगाकर साझेदार बनती हैं।वर्ष की समाप्ति 2015-16 पर लाभ ₹ 23,200 होता है।उनके साझेदारी समझौते के अनुसार उनके लाभ का बँटवारा पूँजी के अनुपात में करें परन्तु इससे पहले शिखा को ₹ 5,000 प्रतिमाह का वेतन तथा साझेदारों की पूँजी पर 10% वार्षिक की दर से ब्याज दें।वर्ष के दौरान राखी ने ₹ 7,000 तथा शिखा ने ₹ 10,000 आहरित किए हैं।आप से अपेक्षा की जाती है कि आप लाभ एवं हानि नियोजन खाता तथा साझेदारों के पूँजी खाते तैयार करें।

उत्तर – Profit and Loss Appropriation A/c Dr. for the year ending March 31, 2016:

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Shikha's Salary		60,000	By Profit & Loss A/c		23,200
To Interest on Capital :			By Loss transferred to Capital A/cs :		
Rakhi	20,000		Rakhi	34,720	
Shikha	30,000	50,000	Shikha	52,080	86,800
		1,10,000			1,10,000

Partners' Capital Accounts Amount:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount Rakhi ₹	Amount Shikha ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount Rakhi ₹	Amount Shikha ₹
2016 Mar. 31	To Drawings		7,000	10,000	2015 Apr. 1.	By Balance b/d		2,00,000	3,00,000
	To P&L Appropriation A/c		34,720	52,080	2016 Mar. 31	By Salaries		–	60,000
	To Balance c/d		1,78,280	3,27,920		By Interest on Capital		20,000	30,000
			2,20,000	3,90,000				2,20,000	3,90,000

प्रश्न 6 लोकेश एवं आजाद 3 : 2 के अनुपात से लाभ के आधार पर साझेदारी करते हैं जिसमें उन्होंने क्रमशः ₹ 50,000 तथा ₹ 30,000 लगाए हैं। पूँजी पर 6% की वार्षिक दर से ब्याज प्रभारित करना तय है तथा आजाद को वेतन के रूप में ₹ 2,500 प्रतिवर्ष देय अनुमत है। वर्ष 2013 के दौरान पूँजी पर ब्याज की गणना से पहले लेकिन आजाद का वेतन निकालने के बाद लाभ की राशि ₹ 12,500 बनती है। इसमें लाभ की राशि का 5% भाग कमीशन के रूप में मैनेजर को देय है। लाभ के विभाजन को दर्शाने वाला खाता तथा साझेदारों के पूँजी खाते तैयार करें।

उत्तर – Profit and Loss Appropriation A/c:

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Interest on Capital :			By Profit and Loss A/c (12,500 + 2,500)	15,000
Lokesh	3,000			
Azad	1,800	4,800		
To Salaries to Azad		2,500		
To Provision for Manager's Commission (5% of 15,000)		750		
To Profit transferred to Capital A/cs :				
Lokesh	4,170			
Azad	2,780	6,950		
		15,000		15,000

Partners' Capital Accounts:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount		Date	Particulars	J. F.	Amount	
			Lokesh ₹	Azad ₹				Lokesh ₹	Azad ₹
	To Balance c/d		57,170	37,080		By Balance b/d		50,000	30,000
						By Interest on Capital		3,000	1,800
						By Salaries to Azad			2,500
						By Profit & Loss Appro. A/c		4,170	2,780
			57,170	37,080				57,170	37,080

प्रश्न 7 मनीष एवं गिरीश के साझेदारी समझौते में यह प्रावधान है कि:

(i) लाभ का विभाजन बराबर होगा;

(ii) मनीष को प्रतिमाह ₹ 400 का वेतन अनुमत होगा;

(iii) गिरीश, जो कि बिक्री विभाग का प्रबन्ध करता है उसे मनीष के वेतन को अनुमत करने के बाद कमीशन के रूप में, निवल लाभ से 10% कमीशन के रूप में प्राप्त होंगे।

(iv) साझेदारों की स्थिर पूँजी पर 7% प्र.व. की दर से ब्याज देय होगा।

(v) साझेदारों के वर्ष भर के आहरणों पर 5% प्र.व. की दर से ब्याज प्रभारित होगा;

(vi) मनीष एवं गिरीश की स्थिर पूँजी क्रमशः ₹ 1,00,000 तथा ₹ 80,000 है।

उनकी वार्षिक आहरित राशि क्रमशः ₹ 16,000 एवं ₹ 14,000 है।31 मार्च, 2016 को वर्ष की समाप्ति पर लाभ की राशि ₹ 40,000 फर्म के लिए लाभ एवं हानि विनियोजन खाता तैयार करें।

उत्तर – Profit and Loss Appropriation A/c:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. *for the year ended 31 March, 2016* **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Salaries to Maneesh		4,800	By Profit and Loss A/c		40,000
To Girish's Commission {(40,000 – 4,800) × (10/100)}		3,520	By Interest on Drawings :		
To Interest on Capital :			Maneesh	800	
Maneesh	7,000		Girish	700	1,500
Girish	5,600	12,600			
To Profit transferred to Current A/cs :					
Maneesh	10,290				
Girish	10,290	20,580			
		41,500			41,500

प्रश्न 8 राम, राजू एवं जॉर्ज एक फर्म में 5 : 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन पर साझेदार हैं।साझेदारी विलेख के अनुसार जॉर्ज को प्रतिवर्ष ₹ 10,000 लाभ के भाग के रूप में प्राप्त होंगे तथा वर्ष 2016 में निवल लाभ की राशि ₹ 40,000 है।लाभ एवं हानि नियोजन खाता तैयार करें।

उत्तर – Profit and Loss Appropriation A/c for the year ended 2016:

Dr. **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Profit transferred to Capital A/cs :		By Profit and Loss A/c	40,000
Ram (20,000 – 1,250)	18,750		
Raju (12,000 – 750)	11,250		
George (8,000 + 1,250 + 750)	10,000		
	40,000		40,000

नोट: जॉर्ज के हिस्से की गणना

40,000 x 2/10 = 8,000

शेष 10.000 - 8,000 = 2,000 हेतु

राम से 2,000 x 5/8 = 1,250

राजू से 2,000 x 3/8 = 750

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

जार्ज का कुल हिस्सा = 10,000

प्रश्न 9 अमन, बबीता एवं सुरेश एक फर्म में साझेदार हैं, इनका लाभ विभाजन अनुपात 2 : 2 : 1 है।हालाँकि सुरेश को प्रतिवर्ष लाभ के भाग के रूप में न्यूनतम ₹ 10,000 की गारन्टी दी हुई है।यदि लाभ में कोई कमी आती है तो वह खाता बबीता द्वारा पूरा किया जाएगा।31 मार्च, 2015 तथा 2016 को क्रमश: ₹ 40,000 तथा ₹ 60,000 का लाभ प्राप्त हुआ।दो वर्ष का लाभ एवं हानि नियोजन खाता तैयार करें।

उत्तर – Profit and Loss Appropriation Alc for the year ended 31st March, 2015:

Dr. Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Profit transferred to Capital A/cs :			By Profit & Loss A/c	40,000
Aman	16,000			
Babita (16,000 – 2,000)	14,000			
Suresh (8,000 + 2,000)	10,000	40,000		
		40,000		40,000

Profit and Loss Appropriation A/c for the year ended 31st March, 2016:

Dr. Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Profit transferred to Capital A/cs :			By Profit & Loss A/c	60,000
Aman	24,000			
Babita	24,000			
Suresh	12,000	60,000		
		60,000		60,000

प्रश्न 10 सिम्मी एवं सोनू एक फर्म में साझेदार हैं जो लाभ एवं हानि का विभाजन 3 : 1 के अनुपात में करते हैं।31 मार्च, 2016 को वर्ष की समाप्ति पर निवल लाभ ₹ 1,50,000 है।

निम्नलिखित सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए लाभ एवं हानि नियोजन खाता और पूँजी खाते तैयार करें:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(i) 1 अप्रैल, 2015 को साझेदारों की पूँजी;

सिम्मी ₹ 30,000; सोनू ₹ 60,000;

(ii) 1 अप्रैल, 2015 को चालू खाते का शेष;

सिम्मी ₹ 30,000 (जमा); सोनू ₹ 15,000 (जमा);

(iii) वर्ष के दौरान साझेदारों की आहरण राशि;

सिम्मी ₹ 20,000; सोनू ₹ 15,000;

(iv) पूँजी पर अनुमत ब्याज दर 5% प्रतिवर्ष

(v) आहरणों पर प्रभारित ब्याज दर 6% प्रतिवर्ष; एक औसत के अनुसार 6 माह की अवधि;

(vi) साझेदारों का वेतन : सिम्मी ₹ 12,000 तथा सोनू ₹ 9,000।इसके साथ ही साझेदारों का चालू खाता दर्शाएँ।

उत्तर – Profit and Loss Appropriation A/c for the year ended 31st March, 2016:

Dr. Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Interest on Capital :			By Profit and Loss Account		1,50,000
Simmi	1,500		By Interest on Drawings :		
Sonu	3,000	4,500	Simmi	600	
To Partners' Salaries :			Sonu	450	1,050
Simmi	12,000				
Sonu	9,000	21,000			
To Profit transferred to :					
Simmi's Current A/c	94,162				
Sonu's Current A/c	31,388	1,25,550			
		1,51,050			1,51,050

Partners" Capital Accounts:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount Simmi ₹	Amount Sonu ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount Simmi ₹	Amount Sonu ₹
2016 Mar. 31	To Balance c/d		30,000	60,000	2015 Apr. 1	By Balance b/d		30,000	60,000
			30,000	60,000				30,000	60,000

Partners' Current Accounts:

Dr. Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount Simmi ₹	Amount Sonu ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount Simmi ₹	Amount Sonu ₹
2016 Mar. 31	To Drawings		20,000	1,50,000	2015 Apr. 1	By Balance b/d		30,000	15,000
	To Interest on Drawings		600	450	2016 Mar. 31	By Interest on Capital		1,500	3,000
	To Balance c/d		1,17,062	42,938		By Partners' Salaries		12,000	9,000
						By P&L Appropriation A/c		94,162	31,388
			1,37,662	58,388				1,37,662	58,388

प्रश्न 11 अरविन्द और आनन्द साझेदार हैं और 3 : 1 के अनुपात में लाभ व ह्वानि को बाँटते हैं। अप्रैल 1 , 2019 को उनके पूँजी खाते इस प्रकार थे : अरविन्द ₹ 4,40,000 और आनन्द ₹ 2,60,000 ।साझेदारी संलेख के अनुबन्ध के अनुसार साझेदारों को 5% प्र.व. पूँजी पर ब्याज और आहरण पर 6% प्र.व. ब्याज मान्य है।इसके अतिरिक्त अरविन्द को ₹ 35,000 का वेतन भी दिया जाएगा।साझेदारों के आहरण इस प्रकार हैं : अरविन्द ₹ 40,000 और आनन्द ₹ 28,000131 मार्च, 2020 को फर्म की हानि ₹ 32,400 थी।लाभ व हानि विनियोजन खाता तैयार करें।

उत्तर – Profit and Loss Appropriation A/c for the year ended 31st March, 2020:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Cr.

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Profit & Loss A/c (Loss)	32,400	By Interest on Drawings :	
		Arvind $\left(40,000 \times \frac{6}{100} \times \frac{6}{12}\right) = 1,200$	
		Anand $\left(28,000 \times \frac{6}{100} \times \frac{6}{12}\right) = 840$	2,040
		By Loss transferred to	
		Arvind's Capital A/c 22,770	
		Anand's Capital A/c 7,590	30,360
	32,400		32,400

Notes:

- फर्म के हानि में होने के कारण साझेदारों को पूँजी पर ब्याज़ तथा वेतन का भुगतान नहीं किया जायेगा।
- आहरण की तिथि न दी जाने के कारण आहरण पर ब्याज 6 माह का ही लगाया जायेगा।

प्रश्न 12 रमेश और सुरेश एक फर्म में साझेदार हैं तथा उनके लाभ विभाजन अनुपात उनकी पँजी के अनसार हैं जो कि व्यवसाय के प्रारम्भ में क्रमशः ₹ 80,000 तथा ₹ 60,000 लगाई गई थी।फर्म ने 1 अप्रैल, 2015 से व्यवसाय शुरू किया।साझेदारी समझौते के अनुसार पूँजी और आहरणों पर क्रमशः 12% और 10% प्रतिवर्ष ब्याज की दर अनुमत है।रमेश और सुरेश क्रमशः ₹ 2,000 तथा ₹3,000 प्रतिमाह को वेतन के रूप में प्राप्त करते हैं।

वर्ष की समाप्ति पर 31 मार्च, 2016 को उपर्युक्त समायोजनों के करने से पूर्व लाभ ₹ 1,00,300 था और रमेश तथा सुरेश के आहरण क्रमशः ₹ 40,000 तथा ₹.50,000 थे।आहरणों की राशि पर ब्याज रमेश के लिए ₹ 2,000 तथा सुरेश के लिए ₹ 2,500 बनते हैं।इनकी पूँजी को अस्थिर मानते हुए लाभ एवं हानि विनियोजन खाता तथा साझेदारों के पूँजी खाते तैयार करें।

उत्तर – Profit and Loss Appropriation A/c for the year ended 31st March, 2016:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Interest on Capital :			By Profit and Loss A/c		1,00,300
Ramesh	9,600		By Interest on Drawings :		
Suresh	7,200	16,800	Ramesh	2,000	
To Partners' Salaries :			Suresh	2,500	4,500
Ramesh	24,000				
Suresh	36,000	60,000			
To Profit transferred to :					
Ramesh's Capital (28,000 × 4/7)		16,000			
Suresh's Capital (28,000 × 3/7)		12,000			
		1,04,800			1,04,800

Partners' Capital Accounts:

Dr. Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount Ramesh ₹	Amount Suresh ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount Ramesh ₹	Amount Suresh ₹
2016					2015				
Mar. 31	To Drawings		40,000	50,000	Apr. 1	By Cash (Capital)		80,000	60,000
	To Interest on Drawings		2,000	2,500	2016				
	To Balance c/d		87,600	62,700	Mar. 31	By Interest on Capital		9,600	7,200
						By Salaries		24,000	36,000
						By P&L Appropriation A/c		16,000	12,000
			1,29,600	1,15,200				1,29,600	1,15,200

प्रश्न 13 सुकेश एवं विनीता एक फर्म में साझेदार हैं।उनका साझेदारी समझौता निम्नलिखित प्रावधानों से युक्त है, जिसके अनुसार:

(i) सुकेश एवं विनीता द्वारा लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2

(ii) पूँजी पर 5% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज देय है:

(iii) विनीता को प्रतिमाह ₹ 600 वेतन के रूप में प्राप्त होने चाहिए:

31 दिसम्बर, 2016 को उनके लेखा खातों से निम्नलिखित शेष निष्कर्ष रूप में प्राप्त हुए हैं:

पँजी तथा आहरणों पर ब्याज का परिकलन:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

	राकेश (₹)	विनीता (₹)
पूँजी खाते	40,000	40,000
चालू खाते	(जमा) 7, 200	(जमा) 2, 800
आहरण	10,850	8,150

पूँजी पर ब्याज लगाने से पहले एवं साझेदार का वेतन निकालने के बाद इस. वर्ष में फर्म का निवल लाभ ₹ 9,500 रहा।लाभ एवं हानि विनियोजन खाता तथा साझेदारों के चालू खाते तैयार करें।

उत्तर – Profit and Loss Appropriation A/c for the year ended 31st December 2016:

Dr. Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Interest on Capital :			By Profit and Loss A/c	9,500
Sukesh	2,000			
Vinita	2,000	4,000		
To Profit transferred to :				
Sukesh's Current A/c		3,300		
Vinita's Current A/c		2,200		
		9,500		9,500

Partners' Current Accounts:

Dr. Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount Sukesh ₹	Amount Vinita ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount Sukesh ₹	Amount Vinita ₹
2016 Dec. 31	To Drawings		10,850	8,150	2016 Dec. 31	By Balance b/d		7,200	2,800
	To Balance c/d		1,650	6,050		By Salaries		–	7,200
						By Interest on Capital		2,000	2,000
						By P&L Appro-priation A/c		3,300	2,200
			12,500	14,200				12,500	14,200

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 14 राहुल, रोहित एवं करन ने 1 अप्रैल, 2015 को क्रमशः ₹ 20,00,000, ₹ 18,00,000 तथा ₹ 16,00,000 से व्यवसाय शुरू किया।वर्ष 2015-16 पर उनका लाभ ₹ 1,35,000 था तथा साझेदारों के आहरण राहुल ₹ 50,000, रोहित ₹ 50,000 तथा करन ₹ 40,000 था।लाभों को साझेदार के बीच 3 : 2 : 1 में वितरित किया गया।पूँजी पर 5% प्रति वर्ष की दर से ब्याज परिकलित कीजिए।

उत्तर – Calculation of Interest on Capital:

- Rahul = 20,00.000 x 5/100 = ₹ 1,00,000
- Rohit = 18,00,000 x 5/100 = ₹ 90,000
- Karan = 16,00,000 x 5/100 = ₹ 80,000

प्रश्न 15 सूरजमुखी और गुलाब ने 1 अप्रैल, 2014 को क्रमशः ₹ 2,50,000 तथा ₹ 1,50,000 के साथ साझेदारी व्यवसाय शुरू किया।1 अक्टूबर, 2014 को उन्होंने तय किया कि दोनों की पूँजी ₹ 2,00,000 प्रत्येक होनी चाहिए।पूँजी सन्निवेश और रोकड़ आहरण के द्वारा उचित समायोजन किए गए।पूँजी पर 10% की दर से ब्याज अनुमत है।31 मार्च, 2015 को पूँजी पर ब्याज परिकलित कीजिए।

उत्तर – सूरजमुखी की पूँजी पर ब्याज:

1 अप्रैल, 2014 से 30 सितम्बर, 2014 तक पूँजी पर ब्याज

$$= 2,50,000 \times \frac{10}{100} \times \frac{6}{12} = ₹\ 12,500$$

1 अक्टूबर, 2014 से 31 मार्च, 2015 तक पूँजी पर ब्याज

$$= 2,00,000 \times \frac{10}{100} \times \frac{6}{12} = ₹\ 10,000$$

कुल ब्याज = ₹ 22,500

गुलाब की पूँजी पर ब्याज:

1 अप्रैल, 2014 से 30 सितम्बर, 2014 तक पूँजी पर ब्याज

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

$= 1,50,000 \times \frac{10}{100} \times \frac{6}{12} = ₹\ 7,500$

1 अक्टूबर, 2014 से 31 मार्च, 2015 तक पूँजी पर ब्याज

$106_10000 = 2,00,000 \times \frac{10}{100} \times \frac{6}{12} = ₹\ 10,000$

कुल ब्याज = ₹ 17,500

प्रश्न 16 31 मार्च, 2016 के बाद खाता पुस्तकें बन्द होने पर माउंटेन, हिल एवं रॉक की पुस्तकें क्रमशः ₹ 4,00,000, ₹ 3,00,000 तथा ₹ 2,00,000 पर थीं।तदनन्तर यह पाया गया कि पूँजी पर 10% की दर से ब्याज का विलोपन है।पूरे वर्ष का लाभ ₹ 1,50,000 था तथा साझेदारों के आहरण माउंटेन ₹ 20,000, हिल ₹ 15,000 तथा रॉक ₹ 10,000 थे।पूँजी पर ब्याज परिकलित करें।

उत्तर – Statement showing Opening Capital of the Partners Particulars:

Particulars	Mountain ₹	Hill ₹	Rock ₹
Closing Capital	4,00,000	3,00,000	2,00,000
Add : Drawings	20,000	15,000	10,000
	4,20,000	3,15,000	2,10,000
Less : Profit (1 : 1 : 1)	(50,000)	(50,000)	(50,000)
Opening Capital	3,70,000	2,65,000	1,60,000

Interest on Capital:

Mountain : 3,70,000 x 10/100 = ₹37.000

Hill : 2,65,000 x 10/100 = ₹ 26,500

Rock : 1,60,00 x 10/100 = ₹ 16,000

प्रश्न 17 नीलकांत एवं महादेव के तुलन पत्र का 31 मार्च, 2016 को निष्कर्ष निम्नवत् है:

31 मार्च, 2016 को तुलन पत्र देनदारियाँ:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

देनदारियाँ	राशि (₹)	परिसम्पत्तियाँ	राशि (₹)
नीलकांत की पूँजी	10,00,000	विविध परिसम्पत्तियाँ	30,00,000
महादेव की पूँजी	10,00,000		
नीलकांत का चालू खाता	1,00,000		
महादेव का चालू खाता	1,00,000		
लाभ व हानि विनियोजन खाता (मार्च 2016)	8,00,000		
	30,00,000		30,00,000

पूरे वर्ष के दौरान महादेव का आहरण ₹ 30,000 है तथा वर्ष 2016 - 17 के दौरान लाभ ₹10,00,000 है। वर्ष के अन्त 31 मार्च, 2017 को पूँजी पर ब्याज 5% प्रतिवर्ष की दर से परिकलित करें।

उत्तर – नीलकांत की पूँजी पर ब्याज = 10,00,000 x 5/100 = ₹ 50,000

महादेव की पूँजी पर ब्याज = 10,00,000 x 5/100 = ₹ 50,000

नोट: तुलन पत्र में साझेदारों के पूँजी खाते तथा चालू खाते दोनों दर्शाये गये हैं। अतः स्पष्ट है कि उनकी पूँजी स्थिर है। अत: लाभ, पूँजी पर ब्याज, आहरण आदि का पूँजी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। अतः उनकी स्थिर पूँजी पर ब्याज की गणना की गई है।

प्रश्न 18 ऋषि एक फर्म में साझेदार है। 31 मार्च, 2017 तक वह निम्न आहरण करता है:

1 मई, 2016	₹ 12,000
31 जुलाई, 2016	₹ 6,000
30 सितम्बर, 2016	₹ 9,000
30 नवम्बर, 2016	₹ 12,000
1 जनवरी, 2017	₹ 8,000
31 मार्च, 2017	₹ 7,000

आहरणों पर 9% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज देय है। आहरणों पर ब्याज परिकलित कीजिए।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – Statement showing calculation of Interest on Drawings Date of Drawings:

Date of Drawings	Amount ₹	Time Period	Product ₹
1 May, 2016	12,000	11 months	1,32,000
31 July, 2016	6,000	8 months	48,000
30 September, 2016	9,000	6 months	54,000
30 November, 2016	12,000	4 months	48,000
1 January, 2017	8,000	3 months	24,000
31 March, 2017	7,000	0 months	0
Total			3,06,000.

Interest = Sum of Products x Rate x ½

प्रश्न 19 मोली और गोलू के पूँजी खाते 1 अप्रैल, 2016 को क्रमशः ₹ 40,000 तथा ₹ 20,000 का शेष दर्शाते हैं। वे 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। पूँजी पर 10% की दर से ब्याज अनुमत है तथा आहरणों पर 12% की दर से प्रभार अनुमत है। गोलू ने 1 अगस्त, 2016 को ₹ 10,000 का ऋण फर्म को दिया। वर्ष के दौरान मोली ने ₹ 1,000 प्रति माह के प्रारम्भ में आहरित किए, जबकि गोलू ने प्रति माह के अन्त में ₹ 1,000 आहरित किए। उपर्युक्त समायोजनों के करने से पूर्व लाभ ₹ 20,950 था। आहरणों पर ब्याज परिकलित कीजिए तथा साझेदारों के पूँजी खाते तैयार कीजिए।

उत्तर – आहरणों पर ब्याज:

$$\text{moli} = 12000 \times \frac{12}{100} \times \frac{13}{2 \times 12} = ₹780$$

$$\text{Golu} = 12.000 \times \frac{12}{100} \times \frac{11}{2 \times 12} = ₹660$$

Partners' Capital Accounts:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Interest on Capital :			By Profit and Loss A/c		20,950
Moli	4,000		By Interest on Drawings :		
Golu	2,000	6,000	Moli	780	
To Interest on Golu's Loan {(10,000 × (6/100) × (8/12)}		400	Golu	660	1,440
To Profit transferred to :					
Moli's Capital A/c	9,594				
Golu's Capital A/c	6,396	15,990			
		22,390			22,390

Working Note:

Profit and Loss Appropriation A/c for the year ended March 31, 2017:

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount Moli ₹	Amount Golu ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount Moli ₹	Amount Golu ₹
2017					2016				
Mar. 31	To Drawings		12,000	12,000	Apr. 1	By Balance b/d		40,000	20,000
	To Interest on Drawings		780	660	2017 Mar. 31	By Interest on Capital		4,000	2,000
	To Balance c/d		40,814	15,736		By P&L Appro-priation A/c		9,594	6,396
			53,594	28,396				53,594	28,396

प्रश्न 20 राकेश एवं रोशन एक फर्म में 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन से क्रमशः ₹ 40,000 तथा ₹ 30,000 की पूँजी के साथ साझेदार हैं।उन्होंने अपने निजी उपयोग हेतु अग्रलिखित आहरण वर्ष भर किए हैं:

राकेश	₹
माह 31	600
मई, 2016	500
30 जून, 2016	1,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

31 अगस्त, 2016	400
1 नवम्बर, 2016	1,500
31 दिसम्बर, 2016	300
31 जनवरी, 2017	700
प्रत्येक माह के प्रारम्भ में	400

6% वार्षिक की दर से आहरण पर ब्याज प्रभारित होना है। आहरणों पर ब्याज परिकलित कीजिए जबकि प्रतिवर्ष 31 मार्च को खाता पुस्तकें बन्द होती हैं।

उत्तर – राकेश के आहरण पर ब्याज की गणना:

Date of Drawings:

Date of Drawings	Amount ₹	Time Period	Product ₹
31 May, 2016	600	10 months	6,000
30 June, 2016	500	9 months	4,500
31 August, 2016	1,000	7 months	7,000
1 November, 2016	400	5 months	2,000
31 December, 2016	1,500	3 months	4,500
31 January, 2017	300	1 months	600
1 March, 2017	700	1 month	700
Total			25,300

Interest on Drawings

रोशन के आहरण पर ब्याज:

$$25,300 \times \frac{6}{100} \times \frac{1}{12} = ₹126.5$$

- कुल आहरण = 12 x 400 = ₹ 4,800
- ब्याज =

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

$$4,800 \times \frac{6}{100} \times \frac{13}{2 \times 12} = 156$$

प्रश्न 21 हिमांशु प्रतिमाह के अन्त में ₹2,500 आहरित करता है।साझेदारी विलेख के अनुसार आहरणों पर 12% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज देय है।31 मार्च, 2016 को वर्ष की समाप्ति पर हिमांशु के आहरणों पर ब्याज का परिकलन करें।

उत्तर – हिमांशु के कुल आहरण = ₹2,500 x 12 = 33 30,000

चूँकि हिमांशु प्रतिमाह के अन्त में एक निश्चित राशि का आहरण करता है अत: उसके आहरण की औसत अवधि 11/2 = 5 1/2 माह मानी जायेगी।

अतः आहरण पर ब्याज = ₹ 1,650

प्रश्न 22 भाराम एक फर्म में साझेदार है।वह 12 महीनों तक प्रत्येक माह के प्रारम्भ में ₹3,000 आहरित करता है।फर्म के लेखा खाते प्रतिवर्ष 31 मार्च को बन्द होते हैं।यदि व्याज दर 10% वार्षिक है तो आहरणों पर ब्याज का परिकलन करें।

उत्तर – भाराम के कुल आहरण ₹3,000 x 12 = ₹36,000

चूँकि भाराम प्रत्येक माह के प्रारम्भ में एक निश्चित राशि का आहरण करता है अत: उसके आहरण की औसत अवधि 13/2 = 6 1/2 माह मानी जायेगी।

अतः आहरण पर ब्याज =

$$36,000 \times \frac{10}{100} \times \frac{13}{2 \times 12} = ₹1,950$$

प्रश्न 23 राज एवं नीरज एक फर्म में साझेदार हैं।1 अप्रैल, 2015 को उनकी पूँजी क्रमशः 2,50,000 तथा ₹1,50,000 थी।वे लाभ की भागीदारी बराबर करते हैं।1 जुलाई, 2015 को वे निर्णय लेते हैं कि उन दोनों की पूँजी ₹ 1,00,000 प्रत्येक होनी चाहिए।उनकी पूंजी में आवश्यक समायोजन रोकड़ को सन्निविष्ट करके अथवा आहरित करके किया गया।पूँजी पर 8% वार्षिक की दर से ब्याज

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अनुमत है।वर्ष की समाप्ति 31 मार्च, 2016 पर दोनों साझेदारों की पूँजी पर ब्याज की संगणना करें।

उत्तर – राज की पूँजी पर ब्याज की गणना

1 अप्रैल, 2015 से 30 जून, 2015 तक पूंजी पर ब्याज

$$2,50,000 \times \frac{8}{100} \times \frac{3}{12} = ₹5,000$$

1 जुलाई, 2015 से 31 मार्च, 2016 तक पूँजी पर ब्याज

$$1,00,000 \times \frac{8}{100} \times \frac{9}{12} = ₹6,000$$

कुल व्याज = ₹ 11,000

नीरज की पूँजी पर ब्याज की गणना:

1 अप्रैल, 2015 से 30 जून, 2015 तक पूँजी पर ब्याज

$$1,50,000 \times 18 \times \frac{10}{100} \times \frac{6}{12} = ₹3,000$$

1 जुलाई, 2015 से 31 मार्च, 2016 तक पूँजी पर ब्याज

$$1,00,000 \times \frac{10}{100} \times \frac{6}{12} = ₹6,000$$

कुल ब्याज = ₹9,000

प्रश्न 24 अमित और भोला एक फर्म में साझेदार हैं।उनका लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 है।उनके साझेदारी विलेख के अनुसार आहरणों पर ब्याज की दर 10% वार्षिक प्रभारित होनी है।वर्ष 2014

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

के दौरान उनके आहरण क्रमशः ₹ 24,000 तथा ₹16,000 थे।यह मानकर कि उन्होंने पूरे वर्ष नियमित रूप से राशियाँ आहरित की थीं।इसी आधार पर आहरणों पर ब्याज परिकलित कीजिए।

उत्तर – हल आहरण पर ब्याज की गणना

- अमित : 24,000 x 2 = ₹ 1,200
- भोला : 16,000 x 10 - 15 = ₹ 800

प्रश्न 25 हरीश एक फर्म में साझेदार है।वह वर्ष 2016 के दौरान निम्नलिखित आहरित करता है:

	₹
1 फरवरी	4,000
1 मई	10,000
30 जून	4,000
31 अक्टूबर	12,000
31 दिसम्बर	4,000

आहरणों पर प्रभारित होने वाली वार्षिक ब्याज दर 79% प्र. व. है।वर्ष 2016 के लिए हरीश के आहरणों पर ब्याज की राशि परिकलित कीजिए।

उत्तर – Calculation of Interest on Harish's Drawings:

Date of Drawings	Amount ₹	Time Period	Product ₹
1 February	4,000	11 months	44,000
1 May	10,000	8 months	80,000
30 June	4,000	6 months	24,000
31 October	12,000	2 months	24,000
31 December	4,000	0 months	0
Total			1,72,000

आहरण पर ब्याज =

$$1,72,000 \times \frac{15}{2 \times 100} \times \frac{1}{12} = ₹1,075$$

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 26 मेनन एवं टॉमस एक फर्म में साझेदार हैं।वे लाभ का विभाजन बराबर करते हैं।उनका मासिक आहरण र 2,000 प्रति माह प्रत्येक का है।आहरणों पर 10% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज प्रभारित होना है।वर्ष 2015 - 16 के लिए यह मानकर मेनन की आहरित राशियों पर ब्याज परिकलित करें कि:

(i) वर्ष भर प्रत्येक माह के प्रारम्भ में,

(ii) प्रत्येक माह के मध्य में, तथा

(iii) प्रत्येक माह के अन्त में आहरण किए हैं।

उत्तर – मेनन के आहरण पर ब्याज: कुल आहरण 2,000 x 12 = ₹24,000

(i) वर्ष भर प्रत्येक माह के प्रारम्भ में आहरण करने पर

$$24,000 \times \frac{10}{100} \times \frac{13}{2 \times 12} = ₹1,300$$

(ii) प्रत्येक माह के मध्य में आहरण करने पर:

$$24,000 \times \frac{10}{100} \times \frac{6}{12} = ₹1,200$$

(iii) प्रत्येक माह के अन्त में आहरण करने पर

$$24,000 \times \frac{10}{100} \times \frac{11}{2 \times 12} = ₹1,100$$

प्रश्न 27 31 मार्च, 2016 को लेखा खाते बन्द होने के बाद, राम, श्याम तथा मोहन की पूँजी शेष क्रमशःर 24,000, ₹ 18,000 तथा ₹ 12,000 प्रकट होती है।लेकिन बाद में यह पता चलता है कि पूँजी पर 5% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज शामिल होने से रह गई है।31 मार्च, 2016 को वर्ष के अन्त में यह लाभ राशि ₹ 36,000 होती है तथा साझेदारों के आहरण : राम ₹3,600, श्याम ₹ 4,500

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तथा मोहन र 2,700 होती है।राम, श्याम एवं मोहन का लाभ विभाजन अनुपात 3: 2: 1 है।पूँजी पर ब्याज परिकलित कीजिए।

उत्तर – Statement showing Opening Capital:

Detail	Ram ₹	Shyam ₹	Mohan ₹
Capital on 31 March, 2016	24,000	18,000	12,000
Add : Drawings	3,600	4,500	2,700
	27,600	22,500	14,700
Less : Profit (3 : 2 : 1)	(18,000)	(12,000)	(6,000)
Opening Capital	9,600	10,500	8,700

अतः पूँजी पर ब्याज

Ram : 9,600 x 5/100 = ₹3480

Shyam : 10,500 x 5/100 = ₹525

Mohan : 8,700 x 5/100 = ₹ 435

प्रश्न 28 अमित, सुमित व समीक्षा 3:2:1 के अनुपात में लाभ विभाजन के साझेदार हैं।अमित एवं सुमित द्वारा समीक्षा के न्यूनतम लाभर 8,000 की गारन्टी ली गई।31 मार्च, 2016 को लाभर 36,000 था।साझेदारों के बीच लाभ वितरण की राशि ज्ञात करें।

उत्तर – Profit and Loss Appropriation A/c for the year ended 31 March, 2016:

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Profit transferred to Partners' Capital A/cs :			By Profit & Loss A/c	36,000
Amit	18,000			
Less : Guarantee to Samiksha	(1,200)	16,800		
Sumit	12,000			
Less : Guarantee to Samiksha	(800)	11,200		
Samiksha (6,000 + 1,200 + 800) =		8,000		
		36,000		36,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 29 पिंकी, दीप्ति व काकु एक फर्म में 5 : 4 : 1 के अनुपात में साझेदार हैं।काकु को यह सुनिश्चित किया गया कि उसके लाभ का भाम कभी भीर 5,000 से कम नहीं होगा, यदि ऐसा हुआ तो यह पिंकी व दीप्ति द्वारा समान रूप से वहन किया जाएगा।वर्ष का लाभ ₹ 40,000 हुआ।लाभ विभाजन को दर्शाते हुए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दर्शाएँ।

उत्तर – Profit and Loss Appropriation Alc:

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Profit transferred to Pinki's Capital A/c :	20,000		By Profit & Loss A/c	40,000
Less : Guarantee to Kaku (1,000 ÷ 2)	(500)	19,500		
To Deepti's Capital A/c	16,000			
Less : Guarantee to Kaku (1,000 ÷ 2)	(500)	15,500		
To Kaku's Capital A/c	4,000			
Add : Deficiency received from :				
Pinki	500			
Deepti	500	5,000		
		40,000		40,000

Date	Particulars		L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
				₹	₹
(1)	Profit & Loss A/c	Dr.		40,000	
	To Profit & Loss Appropriation A/c				40,000
	(Profit transferred to P&L Appropriation A/c)				
(2)	Profit & Loss Appropriation A/c	Dr.		40,000	
	To Pinki's Capital A/c				20,000
	To Deepti's Capital A/c				16,000
	To Kaku's Capital A/c				4,000
	(Profit distributed among partners)				
(3)	Pinki's Capital A/c	Dr.		500	
	Deepti's Capital A/c	Dr.		500	
	To Kaku's Capital A/c				1,000
	(Guarantee in profits to Kaku borne by Pinki and Deepti)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 30 अभय, सिद्धार्थ व कुसुम एक फर्म में साझेदार हैं और उनका लाभ विभाजन अनुपात 5: 3: 2 का है।कुसुम को लाभ शेयर के रूप में ₹ 10,000 की गारन्टी दी गई है।यदि कोई कमी आई तो इसे सिद्धार्थ के खाते से पूरा किया जाएगा।31 मार्च, 2016 एवं 2017 वर्ष के अन्त में लाभ क्रमशः ₹ 40,000 तथा ₹ 60,000 था।लाभ व हानि नियोजन खाता तैयार कीजिए।

उत्तर – Profit and Loss Appropriation A/c for the year ended 31st March, 2016:

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Profit transferred to :			By Profit & Loss A/c	40,000
Abhay's Capital A/c		20,000		
To Siddharth's Capital A/c	12,000			
Less : Guarantee to Kusum	(2,000)	10,000		
To Kusum's Capital A/c	8,000			
Add : Received from Siddharth	2,000	10,000		
		40,000		40,000

Profit and Loss Appropriation Alc for the year ended 31st March, 2017:

Dr. **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Profit transferred to :		By Profit & Loss A/c	60,000
Abhay's Capital A/c	30,000		
Siddharth's Capital A/c	18,000		
Kusum's Capital A/c	12,000		
	60,000		60,000

प्रश्न 31 राधा, मैरी व फातिमा 5:4:1 के अनुपात में लाभ विभाजन करती हैं।फातिमा को गारन्टी दी गई है कि उसके लाभ का भागर 5,000 से कम नहीं होगा, यदि कोई कमी होती है तो लाभ की कमी को राधा व मैरी द्वारा 3:2 के अनुपात में वहन किया जाएगा।वर्ष के अन्त 31 मार्च, 2016 को लाभ ₹ 35,000 था।साझेदारों के बीच लाभ विभाजन करते हुए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि तैयार करें।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – Profit and Loss Appropriation A/c for the year ended 31st March, 2016:

Dr. Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Profit transferred to :			By Profit & Loss A/c	35,000
Radha's Capital A/c	17,500			
Less : Fatima's Deficiency {1,500 × (3/5)}	(900)	16,600		
To Mary's Capital A/c	14,000			
Less : Fatima's Deficiency {1,500 × (2/5)}	(600)	13,400		
To Fatima's Capital A/c	3,500			
Add : Deficiency borne by				
Radha	900			
Mary	600	5,000		
		35,000		35,000

Journal Particulars:

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
			₹	₹
2016 Mar. 31	Profit & Loss A/c Dr.		35,000	
	To P&L Appropriation A/c			35,000
	(Profit transferred to P&L Appropriation A/c)			
	Profit and Loss Appropriation A/c Dr.		35,000	
	To Radha's Capital A/c			17,500
	To Mary's Capital A/c			14,000
	To Fatima's Capital A/c			3,500
	(Profit distributed among Partners)			
	Radha's Capital A/c Dr.		900	
	Mary's Capital A/c Dr.		600	
	To Fatima's Capital A/c			1,500
	(Deficiency of Fatima's Share borne by Radha and Mary)			

प्रश्न 32 क, ख एवं ग एक फर्म की साझेदारी में लाभ विभाजन क्रमश: 3:2:1 के अनुपात में करते हैं।हालाँकि ग के भाग के लिए क एवं ख ने न्यूनतम₹ 8,000 की स्थिर गारन्टी दी हुई है।वर्ष के अन्त में 31 मार्च, 2014 को लाभर 30,000 होता है।लाभ एवं हानि नियोजन खाता तैयार करें जिसमें प्रत्येक साझेदार के लिए अन्तिम प्राप्य राशि का संकेत हो।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – [नोट क, ख एवं ग के हल में क्रमश: X.Y तथा Z किया गया है।]

Profit and Loss Appropriation Alc for the year ended 31st March, 2014:

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Profit transferred to :			By Profit & Loss A/c	30,000
X's Capital A/c	15,000			
Less : Z's Deficiency {3,000 × (3/5)}	(1,800)	13,200		
Y's Capital A/c	10,000			
Less : Z's Deficiency {3,000 × (2/5)}	(1,200)	8,800		
Z's Capital A/c	5,000			
Add : Share of Deficiency borne by				
Radha	1,800			
Mary	1,200	8,000		
		30,000		30,000

प्रश्न 33 अरुण, बॉबी एवं चिन्दू एक फर्म में 2: 2: 1 के अनुपात में लाभ विभाजन के साझेदार हैं।साझेदारी विलेख की गारन्टी के अनुसार कम्पनी का लाभ कुछ भी हो किन्तु चिन्दू को कम-से-कम ₹ 60,000 प्राप्त होने हैं।चिन्दू के खाते में ऐसी गारन्टी की कोई भी अतिरेक अरुण के द्वारा वहन की जाएगी।एक लाभ एवं हानि नियोजन खाता तैयार करें जो साझेदारों के बीच लाभ के वितरण को दर्शाता हो, यदि मान लीजिए कि वर्ष 2016 के लिए लाभ

(i) ₹ 2,50,000,

(ii) ₹ 3,60,000 हुआ हो।

उत्तर:

(i) लाभ ₹ 2,50,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Profit and Loss Appropriation A/c

Dr. *for the year ended 2016* Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Profit transferred to :			By Profit & Loss A/c	2,50,000
Arun's Capital A/c	1,00,000			
Less : Chintu's share of deficiency	(10,000)	90,000		
Bobby's Capital A/c		1,00,000		
Chintu's Capital A/c	50,000			
Add : Deficiency received from Arun	10,000	60,000		
		2,50,000		2,50,000

स्थिति (ii) लाभ ₹ 3,60,000

Profit and Loss Appropriation A/c

Dr. *for the year ended 2016* Cr.

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Profit transferred to :		By Profit & Loss A/c	3,60,000
Arun's Capital A/c			
Bobby's Capital A/c {3,60,000 × (2/5)}	1,44,000		
Chintu's Capital A/c {3,60,000 × (1/5)}	72,000		
	3,60,000		3,60,000

प्रश्न 34 अशोक, बृजेश एवं शीना, एक फर्म में 2: 2: 1 के अनुपात में लाभ व हानि का विभाजन करते हुए साझेदार हैं। अशोक एवं बृजेश यह गारन्टी देते हैं कि शीना को किसी भी वर्ष ₹ 20,000 से कम लाभ नहीं दिया जाएगा। वर्ष के अन्त 31 मार्च, 2016 के लिए लाभ की राशि ₹ 70,000 होती है। लाभ एवं हानि विनियोजन खाता तैयार कीजिए।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Profit transferred to :			By Profit & Loss A/c	70,000
Ashok's Capital A/c	28,000			
Less : Sheena's share of deficiency {6,000 × (1/2)}	(3,000)	25,000		
Brijesh's Capital A/c	28,000			
Less : Sheena's share of deficiency {6,000 × (1/2)}	(3,000)	25,000		
Sheena's Capital A/c	14,000			
Add : Deficiency received from				
Ashok	3,000			
Brijesh	3,000	20,000		
		70,000		70,000

प्रश्न 35 राम, मोहन और सोहन एक फर्म में क्रमशः ₹ 5,00,000, ₹ 2,50,000 तथा ₹ 2,00,000 की पूँजी के साथ साझेदार हैं।पूँजी पर 10 % प्रतिवर्ष की दर से ब्याज के प्रावधान के बाद लाभ को निम्नानुसार विभाजित करें।राम 1 / 2, मोहन 1 / 3 और सोहन 1 / 61 लेकिन राम एवं मोहन ने सोहन को कम से कम ₹ 25,000 प्रति वर्ष देने की गारन्टी दी है।वर्ष के अन्त में 31 मार्च, 2017 के लिए, पूँजी पर ब्याज प्रभारित करने से पहले, निवल लाभ ₹ 2,00,000 है।आप से अपेक्षा है कि लाभ विभाजन का परिकलन करें।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Profit and Loss Appropriation A/c

Dr. *for the year ended 31st March, 2017* Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Interest on Capital :			By Profit & Loss A/c	2,00,000
Ram	50,000			
Mohan	25,000			
Sohan	20,000	95,000		
To Profit transferred to :				
Ram's Capital A/c	52,500			
Less : Sohan's share of deficiency {7,500 × (3/5)}	(4,500)	48,000		
Mohan's Capital A/c	35,000			
Less : Sohan's share of deficiency {7,500 × (2/5)}	(3,000)	32,000		
Sohan's Capital A/c	17,500			
Add : Deficiency reeived from :				
Ram	4,500			
Mohan	3,000	25,000		
		2,00,000		2,00,000

प्रश्न 36 अमित, बबीता एवं सोना एक फर्म में साझेदार हैं।उनका लाभ 3 : 2 : 1 के अनुपात में विभाजित है तथा निम्न बातों को ध्यान में भी रखना है:

(i) सोना के गारन्टी के रूप में लाभ का भाग ₹ 15,000 प्रति वर्ष से कम न हो।

(ii) बबीता इस प्रभाव के साथ गारन्टी देती है कि जब वहं फर्म में नौकरी करती थी तब से उसे 5 साल के औसत कुल प्रभार या फीस (जो ₹ 25,000 है) के बराबर होनी चाहिए और आज उसके द्वारा अर्जित फीस इससे कम नहीं होगी।वर्ष के अन्त में 31 मार्च, 2017 के लिए कुल लाभ ₹ 75,000 होता है और फर्म हेतु बबीता के द्वारा अर्जित कुल फीस ₹ 16,000 है।

आप से लाभ एवं हानि विनियोजन खाता को दर्शाने की अपेक्षा की जाती है (लेकिन दिए गए अकेले प्रभाव को अपनाने के बाद)।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Profit and Loss Appropriation A/c

Dr. *for the year ended 31st March, 2017* Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Profit transferred to :			By Profit & Loss A/c	75,000
Amit's Capital A/c			By Babita's Capital A/c	9,000
{84,000 × (3/6)}	42,000		(Deficiency of fees	
Less : Sona's share of			25,000 – 16,000)	
deficiency {1,000 × (3/5)}	(600)	41,400		
Babital Capital A/c				
{84,000 × (2/6)}	28,000			
Less : Sona's share of				
deficiency				
{1,000 × (2/5)}	(400)	27,600		
Sona's Capital A/c				
{84,000 × (1/6)}	14,000			
Add : Deficiency				
received from				
Amit	600			
Babita	400	15,000		
		84,000		84,000

पश्च समायोजन :

प्रश्न 37 वर्ष के अन्त में 31 मार्च, 2016 के लिए X, Y एवं Z का निवल लाभ ₹ 60,000 था और यही राशि इन साझेदारों के बीच 3: 1: 1 के अनुपात में वितरित की गई।इसके बाद यह बात पता चली कि निम्नलिखित लेन-देन को लेखा खातों में नहीं अभिलेखित किया गया है :

(i) पूँजी पर ब्याज की दर \(\mathbf{5} \%\) प्रतिवर्ष

(ii) आहरपों पर ब्याज जो कि के ₹ 300 हैं।

(iii) साझेदारों का वेतन X के ₹1,000; Y के ₹ 1,500 प्रतिवर्ष

साझेदारों के पूँजी खाते स्थिर थे जो X ₹ 1,00,000, Y ₹ 80,000 तथा Z ₹ 60,000 थे।समायोजन प्रविष्टि का अभिलेखन्न करें।

उत्तर – Stafement showing net effect of Past Adjustments:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Details	X ₹	Y ₹	Z ₹
(i) Interest on Capital	5,000 (Cr.)	4,000 (Cr.)	3,000 (Cr.)
(ii) Interest on Drawings	(700) (Dr.)	(500) (Dr.)	(300) (Dr.)
(iii) Partners' Salaries	1,000 (Cr.)	1,500 (Cr.)	--
(a) Amount which should have been credited	5,300 (Cr.)	5,000 (Cr.)	2,700 (Cr.)
(b) Amount actually credited by way of share of profit ₹ 13,000 in 3 : 1 : 1	7,800 (Dr.)	2,600 (Dr.)	2,600 (Dr.)
Difference between (a) and (b) (Net effect)	Dr. 2,500 (Excess)	Cr. 2,400 (Short)	Cr. 100 (Short)

Adjustment Entry :

X's Capital A/c	Dr.	2,500	
To Y's Capital A/c			2,400
To Z's Capital A/c			100
(Being past adjustment made)			

प्रश्न 38 हैरी, पोर्टर एवं अली एक फर्म में 2 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं जो कई वर्षों से विद्यमान है; लेकिन अली चाहता है कि वह भी फर्म में हैरी एवं पोर्टर के समान बराबर का लाभ का भागीदार बने। इसके साथ ही वह चाहता है कि वह लाभ विभाजन पिछले तीन वर्षों से पूर्व प्रभावी तरीके से प्राप्त हो। इस बारे में हैरी एवं पोर्टर एक समझौता करते है।

पिछले तीन वर्षों का लाभ

वर्ष	(₹)
2013-14	22,000
2014-15	24,000
2015-16	29,000

उत्तर – Statement showing net effect of Past Adjustment:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Details	Harry ₹	Porter ₹	Ali ₹
Old Ratio (2 : 2 : 1)			
Year			
2013-14	(8,800)	(8,800)	(4,400)
2014-15	(9,600)	(9,600)	(4,800)
2015-16	(11,600)	(11,600)	(5,800)
Total Profit of 3 years in old ratio	(30,000 (Dr.)	(30,000) (Dr.)	(15,000) (Dr.)
Distribution of 3 years profit in new ratio (1 : 1 : 1)	25,000 (Cr.)	25,000 (Cr.)	25,000 (Cr.)
Adjusted Profit	(5,000) (Dr.)	(5,000) (Dr.)	10,000 (Cr.)

Adjustment Entry

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
			₹	₹
	Harry's Capital A/c Dr.		5,000	
	Porter's Capital A/c Dr.		5,000	
	To Ali's Capital A/c			10,000
	(Due to change in profit sharing ratio adjustment made)			

प्रश्न 39 मनु एवं सृष्टि एक फर्म में 3: 2 के अनुपात में लाभ विभाजन के साझेदार हैं।31 मार्च, 2017 को उनके फर्म का तलन पत्र निम्नानसार है:

31 मार्च, 2017 के अनुसार तुलन-पत्र:

दायित्व		राशि (₹)	परिसम्पत्तियाँ		राशि (₹)
मनु की पूँजी	30,000		आहरण :		
सृष्टि की पूँजी	10,000	40,000	मनु	4,000	
			सृष्टि	2,000	6,000
			अन्य परिसम्पत्तियाँ		34,000
		40,000			40,000

31 मार्च, 2017 के वर्ष के अन्त में लाभ ₹ 5,000 को सहमत अनुपात के आधार पर वितरित किया गया लेकिन पूँजी पर ब्याज की दर 5% वार्षिक तथा आहरणों पर 6% वार्षिक लगाना भूल गये।एक औसत अवधि 6 माह के लिए आधार बनाकर आहरण पर ब्याज का समायोजन करें।समायोजन प्रविष्टि प्रदान करें।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – Statement showing net effect of omitting Interest on Capital and Drawings:

Details	Manu ₹	Shrishti ₹
Interest on Capital	1,500 (Cr.)	500 (Cr.)
Interest on Drawings	(120) (Dr.)	(60) (Dr.)
(i) Distribution should have been	1,380 (Cr.)	440 (Cr.)
(ii) Amount actually credited (₹ 1,820 in the ratio of 3 : 2)	(1,092) (Dr.)	(728) (Dr.)
Required Adjustment	288 (Cr.)	288 (Dr.)

Adjustment Entry

	Shrishti's Capital A/c	Dr.		288	
	To Manu's Capital A/c				288
	(Being adjustment entry made)				

प्रश्न 40 31 मार्च, 2017 को एलविन, मोनू एवं अहमद के पूँजी खाते पर लाभ, आहरणों आदि के समायोजन हुए थे जो कि एलविन ₹ 80,000 , मोनू ₹ 60,000 तथा अहमद की ₹ 40,000 थी।इसके तदनन्तर ही यह पता चला कि पूँजी तथा आहरणों पर ब्याज छूट गया है, जिसे शामिल किया जाना था।ये साझेदार पूँजी पर 5% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज लेने के लिए अधिकृत थे।इस वर्ष के दौरान आहरण इस तरह थे : एलविन ₹ 20,000 , मोनू ₹ 15,000 तथा अहमद ₹ 9,000 ।साझेदारों द्वारा आहरणों पर प्रभारित ब्याज राशि इस प्रकार थी : एलविन ₹ 500 , मोनू ₹ 360 तथा अहमद ₹ 200 ।वर्ष की निवल लाभ राशि ₹1,20,000 थी और लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 : 1 था।आवश्यक समायोजन प्रविष्टि दीजिए।ये साझेदार पूँजी पर 5% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज लेने के लिए अधिकृत थे।इस वर्ष के दौरान आहरण इस तरह थे : एलविन ₹ 20,000 , मोनू ₹ 15,000 तथा अहमद ₹ 9,000 ।साझेदारों द्वारा आहरणों पर प्रभारित ब्याज राशि इस प्रकार थी : एलविन ₹ 500 मोनू ₹ 360 तथा अहमद ₹ 200 ।वर्ष की निवल लाभ राशि ₹ 1,20,000 थी और लाभ विभाजन अनुपात 3: 2: 1 था।आवश्यक समायोजन प्रविष्टि दीजिए।

उत्तर – Calculation of Opening Capital of Partners:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Details	Elwin ₹	Monu ₹	Ahmed ₹
Capital on 31 March, 2017 (Closing Capital)	80,000	60,000	40,000
Add : Drawings	20,000	15,000	9,000
Less : Profit ₹ 1,20,000 (3 : 2 : 1)	(60,000)	(40,000)	(20,000)
Capital on April 1, 2016 (Opening Capital)	40,000	35,000	29,000

Statement showing net effect of omitting Interest on Capital and Drawings:

Details	Elwin ₹	Monu ₹	Ahmed ₹
Interest on Capital (on Opening Capital)	2,000	1,750	1,450
Less : Interest on Drawings	(500)	(360)	(200)
Right distribution should be of ₹ 4,140	1,500 (Cr.)	1,390 (Cr.)	1,250 (Cr.)
Less : Wrong distribution of ₹ 4,140 (in the ratio 3 : 2 : 1)	(2,070) (Dr.)	(1,380) (Dr.)	690 (Dr.)
	(570) (Dr.)	10 (Cr.)	560 (Cr.)

Adjustment Entry

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
			₹	₹
	Elwin's Capital A/c Dr.		570	
	To Monu's Capital A/c			10
	To Ahmed's Capital A/c			560
	(Adjustment of Profit made)			

प्रश्न 41 आजाद एवं बिन्नी बराबर के साझेदार हैं। उनकी पूँजी क्रमशः ₹ 40,000 तथा ₹ 80,000 थी। वर्ष के अन्त में खातों को तैयार करने के बाद यह पता चला कि साझेदारी विलेख में प्रस्तावित 5% प्रतिवर्ष की ब्याज दर को लाभ वितरण से पहले पूँजी खातों में नहीं जमा किया गया है। यह तय किया गया कि अगले वर्ष के प्रारम्भ में एक समायोजन प्रविष्टि तैयार की जाए। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि अभिलेखित करें।

उत्तर – Statement showing net effect of omitting Interest on Capital:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Details	Azad ₹	Binny ₹
(i) Amount which should have been credited on Interest on Capital	2,000 (Cr.)	4,000 (Cr.)
(ii) Amount actually credited by way of share of profit (₹ 6,000 in 1 : 1)	3,000 (Dr.)	3,00 (Dr.)
(iii) Difference between (i) and (ii) (Net effect)	1,000 (Dr.) (Excess)	1,000 (Cr.) (Short)

Adjustment Entry

			₹	₹
	Azad's Capital A/c	Dr.	1,000	
	To Binny's Capital A/c			1,000
	(Being entry made for past adjustment)			

प्रश्न 42 मोह्न, विजय व अनिल साझेदार हैं, उनके पूँजी खातों में क्रमशः ₹ 30,000 , ₹ 25,000 तथा ₹ 20,000 शेष हैं।इन अंकों पर पहुँचने के पहलें 31 मार्च, 2017 को वर्ष की समाप्ति पर लाभ राशि ₹ 24,000 साझेदारों के खातों में उनके लाभ विभाजन अनुषात में.जमा किया गया।वर्ष के दौरान मोहन, विजय तथा अनिल का आहरण क्रमशः ₹ 5,000, ₹ 4,000 तथा ₹ 3,000 थीं।तदनन्तर निम्न विलोपन देखे गये:

(अ) पूँजी पर 10% वार्षिक की दर. से ब्याज प्रभारित नहीं किया गया।

(ब) आहरणों पर ब्याज मोहन ₹ 250 , विजय ₹ 200 , अनिल ₹ 150 खाता पुस्तकों में अभिलेखित नहीं हुए हैं।रोजनामचा प्रविष्टि द्वारा आवश्यक सुधार अभिलेखित करें।

उत्तर – Calculation of Opening Capital:

Details	Mohan ₹	Vijay ₹	Anil ₹
Closing Capital	30,000	25,000	20,000
Add : Drawings	5,000	4,000	3,000
Less : Profit (1 : 1 : 1)	(8,000)	(8,000)	(8,000)
Opening Capital	27,000	21,000	15,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Statement showing net effect of omitting Interest on Capital and Drawings

Details	Mohan ₹	Vijay ₹	Anil ₹
Interest on Capital (on Opening Capital)	2,700	2,100	1,500
Interest on Drawings	(250)	(200)	(150)
Distribution should have been	2,450	1,900	1,350
Amount actual distributed	(1,900)	(1,900)	(1,900)
Required adjustment	(550) (Cr.)	NIL	(550) (Dr.)

Adjusting Journal Entry

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
			₹	₹
	Anil's Capital A/c Dr.		550	
	To Mohan's Capital A/c			550
	(Adjustment of Profit made)			

प्रश्न 43 अंजू, मंजू व ममता साझेदार हैं जिसमें उनकी स्थिर पूँजी क्रमशः ₹ 10,000 , ₹ 8,000 व ₹ 6,000 है।साझेदारी विलेख के अनुसार पूँजी पर 5% वार्षिक दर से ब्याज देय अनुमत है।लेकिन पिछले तीन वर्षों से प्रविष्टि नहीं डाली गई है।इन वर्षों के दौरान लाभ विभाजन अनुपात निम्नवत् था:

वर्ष	अंजू	मंजू	ममता
2014	4	3	5
2015	3	2	1
2016	1	1	1

नए वर्ष हेतु आवश्यक एवं समायोजन प्रविष्टियाँ तैयार करें, अर्थात् जनवरी, 2017 हेतु प्रविष्टियाँ दें।

उत्तर – Statement showing net effect of omitting Interest on Capital:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Details				Anju ₹	Manju ₹	Mamta ₹
(i) राशि जो पूँजी पर ब्याज के रूप में जमा की जानी चाहिए थी—						
	Anju	**Manju**	**Mamta**			
2014	500	400	300			
2015	500	400	300			
2016	500	400	300	1,500 (Cr.)	1,200 (Cr.)	900 (Cr.)
(ii) राशि जो वास्तविक रूप में लाभ के हिस्से के रूप में जमा की गई—						
	Anju	**Manju**	**Mamta**			
2014 (4 : 3 : 5)	400	300	500			
2015 (3 : 2 : 1)	600	400	200			
2016 (1 : 1 : 1)	400	400	400	1,400 (Dr.)	1,100 (Dr.)	1,100 (Dr.)
(i) और (ii) के बीच अन्तर (Net Effect)				100 (Cr.) (Short)	100 (Cr.) (Short)	200 (Dr.) (Excess)

Adjustment Entry

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
2017			₹	₹
Jan. 1	Mohan's Capital A/c Dr.		200	
	To Anju's Capital A/c			100
	To Manju's Capital A/c			100
	(Being entry made for past adjustment)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)